दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

डाइट पर हैं तो बनाकर खाएं ये 5 तरह ...8

बलरामपुर
बुधवार, 18 फरवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 137 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

प्रिय मित्र मैक्रों से गले मिले पीएम मोदी

मुंबई में द्विपक्षीय वार्ता, जानें क्या हैं मीटिंग के मायने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। मैक्रोन भारत की अपनी चौथी यात्रा पर हैं। दोनों नेताओं की मुलाकात मुंबई के लोक भवन में हुई, जहां वार्ता शुरू होने से पहले दोनों ने एक–दूसरे को गले लगाया।

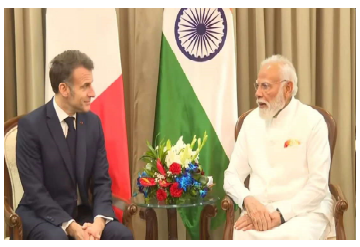

इस बैठक का उद्देश्य भारत–फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा करना और प्रमुख क्षेत्रों में गहन सहयोग के अवसरों की खोज करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति मैक्रोन के आगमन पर उनका स्वागत किया और उसके बाद दोनों नेताओं ने बातचीत की। प्रधानमंत्री इससे पहले लोक भवन पहुंचे, जहां महाराष्ट्र और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उनका स्वागत किया। एक्स पर एक पोस्ट में महाराष्ट्र के राज्यपाल ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के लिए मुंबई स्थित महाराष्ट्र लोक भवन पहुंचे। महाराष्ट्र और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोक भवन, मुंबई में प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रॉन के बीच इस मुलाकात से भारत और फ्रांस के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। चर्चा में रणनीतिक सहयोग, व्यापार, रक्षा सहयोग और आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित होने की संभावना है। इससे पहले दिन में, मैक्रों ने प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रॉन के साथ, आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को दर्शाते हुए, 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बांग्लादेश के 11वें प्रधानमंत्री बने तारिक रहमान

ढाका। देश की राजनीतिक दिशा में एक ऐतिहासिक बदलाव के तहत, तारिक रहमान और सभी निर्वाचित बीएनपी सांसदों ने मंगलवार को ढाका स्थित राष्ट्रीय संसद भवन में शपथ ली। यह ऐतिहासिक समारोह 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनावों के बाद आयोजित किया गया, जिसमें बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। ध्यराष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने तारिक रहमान और उनके नवोदित मंत्रिमंडल को पद की शपथ दिलाई। लगभग 1,200 उपस्थित लोगों की विशाल अतिथि सूची को देखते हुए यह समारोह राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया गया। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के 25 निर्वाचित सांसदों ने मंत्री पद की शपथ ली और 24 अन्य

नवनिर्वाचित सांसदों ने राज्य मंत्री पद की शपथ ली। रहमान की बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने 297 में से 209 सीटें जीतीं। 13वें संसदीय चुनाव में रहमान की बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने 297 में से 209 सीटें हासिल कीं, जबकि दक्षिणपंथी जमात–ए–इस्लामी को 68 सीटें मिलीं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने संसद के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। सचिवालय की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 13वीं जातीय संसद (जेएस) के सभी 297 नवनिर्वाचित सांसदों ने पहले संसद सदस्य (सांसद) के रूप में और फिर संवैधानिक सुधार परिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली। बीएनपी ने संसदीय दल के नेता के चुनाव के लिए सुबह 11रू30 बजे संसद भवन में संसदीय दल की बैठक बुलाई है। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने कहा, ष्बहुमत दल के नेता के रूप में, हमारे पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान प्रधानमंत्री होंगे।

देश को 2047 तक विकसित बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा एआई– धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। आजादी के 78 सालों के बाद भी देश की शिक्षा व्यवस्था के सामने खड़ी चुनौतियों को अब एआई (आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस) की मदद से आसानी से सुलझाया जा सकेगा। इनमें चाहे स्कूल से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की कमी, मातृभाषा में अध्ययन सामग्री मुहैया कराने जैसे विषय हो या नई पीढ़ी को निखारने जैसे अन्य विषय हो, इन सभी में अब एआई मदद ली जाएगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा में एआई के व्यापक इस्तेमाल के साथ ही नई पीढ़ी को एआई की शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया। साथ ही कहा कि कि देश को 2047 तक विकसित बनाने के एआई की मदद करेगा। भारत मंडपम में चल रहे पांच दिवसीय इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट–2026 के दूसरे दिन यानी मंगलवार को शिक्षा मंत्रालय ने श्भारत में एआई का दायरा बढ़ाने विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया था

इंडिया एआई इंपैक्ट एक्सपो विचारों, नवोन्मेष और इरादों का शक्तिशाली संगम : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि इंडिया एआई इंपैक्ट एक्सपो–2026 विचारों, नवोन्मेष और इरादों का एक शक्तिशाली संगम है। मोदी ने सोमवार को यहां इस एक्सपो का उद्घाटन किया था। इसमें 600 से अधिक उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप भाग ले रहे हैं। साथ ही 13 देशों के मंडप भी स्थापित किए गए हैं, जो एआई क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रदर्शित करते हैं।

प्रधानमंत्री ने श्एक्सश पर लिखा, श्इंडिया एआई इंपैक्ट एक्सपो–2026 विचारों, नवोन्मेष और उद्देश्यों का एक सशक्त संगम है। इसने वैश्विक कल्याण के लिए एआई के भविष्य को आकार देने में भारतीय प्रतिभाओं की असाधारण क्षमता को प्रदर्शित किया है।

उन्होंने कहा कि सबसे बढ़कर इस एक्सपो ने मानव प्रगति के लिए जिम्मेदारीपूर्वक, समावेशी रूप से और बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग करने को लेकर भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इस एक्सपो में वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियां, स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थान एवं शोध संगठन, केंद्र एवं राज्य सरकारों के प्रतिनिधि और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय साझेदार एक मंच पर इकट्ठा हुए हैं। लगभग 70,000 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला

यह एक्सपो वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों, स्टार्टअप, अकादमिक एवं शोध संस्थानों, केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को एक साथ लाता है।

एक्सपो में 13 देशों के मंडप भी हैं जो एआई ईकोसिस्टम में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रदर्शित करते हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया, ताजिकिस्तान और अफ्रीका के मंडप शामिल हैं।

यह आयोजन श्पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेसश यानी श्लोग, ग्रह एवं प्रगतिश विषयवस्तु पर आधारित तीन चक्रों में व्यवस्थित किया गया है।

एक्सपो में उच्च संभावना वाले 600 से अधिक स्टार्टअप शामिल हैं जिनमें से कई वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक और आम लोगों के लिए सॉल्यूशंस विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप ऐसे वर्किंग सोल्यूशंस का प्रदर्शन करेंगे जो पहले से ही वास्तविक दुनिया में लागू हैं।

पंजाब से बिहार तक... चार राज्यों के अस्पताल, अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। पंजाब, उत्तराखंड, बिहार और हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को अस्पताल,

विभिन्न न्यायिक परिसरों और कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। पंजाब के मोहाली स्थित फोर्टिस अस्पताल में ध्मकी भरी ई–मेल मिलने के बाद अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचित किया और गहन जांच शुरू कर दी। खात बात यह है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान तबीयत खराब होने के कारण सोमवार को इसी अस्पताल में भर्ती हुए थे। पंजाब, उत्तराखंड, बिहार, हिमाचल में बम की धमकियां उत्तराखंड और बिहार में विभिन्न अदालतों व कलेक्ट्रेट को पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसी आइएसआइ व लिबरेशन टाइगर्स आफ तमिल ईलम (एलटीटीई) के नाम से धमकी दी गई। उत्तराखंड के टिहरी, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा और नैनीताल के विभिन्न जिला एवं सत्र न्यायाधीश को ई–मेल पर धमकी के बाद संबंधित जिलों की पुलिस ने न्यायिक परिसरों को खाली कराया।

नवजोत कौर का राहुल पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, आप इस कुर्सी के लायक नहीं हैं

कांग्रेस से निष्कासित नेता नवजोत कौर सिद्धू ने पार्टी नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर जमीनी हकीकतों से बेखबर होने का आरोप लगाया और 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार की भविष्यवाणी की। तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक रैली को संबोधित करते हुए सिद्धू ने कहा कि गांधी समझदारी की बातें तो करते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं करते। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने पंजाब इकाई में कथित अनियमितताओं को उजागर करने के लिए आठ महीने का समय मांगा था, जिसमें चुनाव टिकटों की षबिक्रीष के आरोप भी शामिल थे, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। नवजोत कौर ने एएनआई को बताया कि वो बातें तो अच्छी करते हैं, समझदारी की बातें करते हैं। लेकिन उनके काम और बातें बिलकुल अलग हैं। पिछले आठ महीनों से मैं उनसे समय मांग रही हूं ताकि उन्हें बता सकूं कि पंजाब में उनके लोग, उनके अध्यक्ष, न्याय नहीं कर रहे हैं। वो पंजाब में कांग्रेस को खत्म कर रहे हैं। मैं उनसे पद मांग

एसआईआर में गड़बड़ी पर चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई, बंगाल के 7 अधिकारी सस्पेंड

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में अनियमितताओं के अनेक

आरोपों के मद्देनजर सात ईएआरओ (सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी) को निलंबित कर दिया। कैनिंग पुरबा से दो और सूती, मैनागुरी, शमशेरगंज, देबरा और फरक्का निर्वाचन क्षेत्रों से एक–एक अधिकारी निलंबित किए गए हैं। आयोग ने संबंधित कैडर नियंत्रण प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि निलंबित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही तत्काल शुरू की जाए और इस संबंध में आयोग को सूचित किया जाए। इस संबंध में राज्य के मुख्य सचिव को पत्र भेजा गया है। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एसआईआर प्रक्रिया में शामिल इन अधिकारियों द्वारा गंभीर कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा और वैधानिक अधिकार के दुरुपयोग के साक्ष्य मिले हैं। इस बीच, सर्वोच्च न्यायालय के 9 फरवरी के निर्देश का पालन करते हुए, चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित सभी फॉर्म–7 आपत्तियों के निपटान के संबंध में एक सख्त संदेश जारी किया है।

कुछ और अधिकारी भी रेडार पर

आयोग का कहना है कि इन अधिकारियों के खिलाफ लिया गया ऐक्शन वोटर लिस्ट को शुद्ध बनाने के लिए किया गया। चूंकि, जांच में पाया गया कि यह अधिकारी कथित रूप से नियमों के खिलाफ जाकर काम कर रहे थे, इसलिए यह कार्रवाई हुई। सूत्रों का कहना है कि अभी कुछ और अधिकारी आयोग के रेडार पर है, जिनके खिलाफ आने वाले दिनों में सस्पेंड करने जैसी कार्रवाई की जा सकती है।

न्यूजक्लिक और उसके चीफ एडिटर पर ईडी का बड़ा ऐक्शन, 184 करोड़ का लगा जुर्माना

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने न्यूज पोर्टल न्यूजक्लिक की मालिक कंपनी पीपीके न्यूजक्लिक स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड और इसके संस्थापक–संपादक प्रबीर पुरकायस्था पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 के कथित उल्लंघन के लिए 184 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एजेंसी के अनुसार, कुल जुर्माने में से 120 करोड़ रुपये कंपनी पर लगाए गए हैं, जबकि पुरकायस्था पर इसी आदेश के तहत 64 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई फेमा की धारा 16 के तहत शिकायत दर्ज होने के बाद शुरू की गई न्यायिक कार्यवाही के बाद की गई है। ईडी ने कहा कि निर्णायक प्राधिकरण ने दस्तावेजी

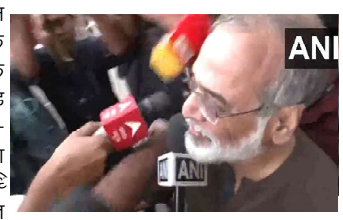

साक्ष्य, वित्तीय रिकॉर्ड और पक्षों द्वारा प्रस्तुत दलीलों की जांच करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि कंपनी और उसके निदेशक ने विदेशी मुद्रा नियमों का बड़े पैमाने पर और व्यवस्थित रूप से उल्लंघन किया है। कथित उल्लंघनों में बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा लेनदेन और नियामक प्राधिकारणों को प्रस्तुत वैधानिक घोषणाओं में विसंगतियां शामिल हैं। एजेंसी ने बताया कि न्यूजक्लिक ने आधिकारिक दस्तावेजों में अपने व्यवसाय की प्रकृति को गलत तरीके से प्रस्तुत करके, क्षेत्रीय शर्तों और प्रवेश मार्ग की आवश्यकताओं को दरकिनार करते हुए, 2018–19 के दौरान लगभग 9.59 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त किया। एजेंसी ने आगे आरोप लगाया कि 2018–19 और 2023–24 के बीच प्राप्त 82.63 करोड़ रुपये की विदेशी आवक प्रेषण राशि को पर्याप्त दस्तावेजीकरण या अनिवार्य ब्ज्म् फॉर्म जमा किए बिना निर्यात आय के रूप में वर्गीकृत किया गया था। ईडी ने दावा किया कि इन लेन–देनों को इस तरह से संरचित किया गया था जिससे विदेशी मुद्रा विनियमों के उद्देश्यों को विफल किया जा सके।

एआई शिखर सम्मेलन में कुप्रबंधन से वैश्विक शर्मिंदगी, मल्लिकार्जुन खरगे का मोदी सरकार पर तीखा हमला

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को एआई

शिखर सम्मेलन के कथित कुप्रबंधन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि भारत के लिए एक शानदार आयोजन बन सकने वाला यह कार्यक्रम पूरी तरह से अराजकता में तब्दील हो गया। खर्गे ने कहा कि भोजन और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण आगंतुकों और प्रदर्शकों दोनों को ही अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। एक्स पर एक पोस्ट में, खरगे ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि शिखर सम्मेलन, जिससे भारत की डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षमताओं को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने की उम्मीद थी, कथित तौर पर बड़े पैमाने पर कुप्रबंधन का शिकार हुआ। खरगे ने कहा कि भारत की डिजिटल और एआई क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाला, पूरी दुनिया के लिए एक शानदार एआई शिखर सम्मेलन बन सकने वाला यह कार्यक्रम, कथित तौर पर इस श्पीआर के भूखेश सरकार द्वारा पूरी तरह से अराजकता और घोर कुप्रबंधन में तब्दील हो गया है! कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे आरोप लगाया कि आयोजन के दौरान की गई व्यवस्थाओं के कारण संस्थापकों, प्रदर्शकों और आगंतुकों को ष्अत्यधिक परेशानीष का सामना करना पड़ा।

गौरव गोगोई से तकरार, आत्मसम्मान को ठेस!

भूपेन कुमार बोराह के इस्तीफे से असम कांग्रेस संकट में

वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के असम के दो दिवसीय दौरे से कुछ ही दिन पहले, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोराह के इस्तीफे से पार्टी को गहरा झटका लगा। इस घटनाक्रम ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है, खासकर विधानसभा चुनावों के नजदीक होने के कारण। बोराह के अचानक लिए गए इस फैसले से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की असम इकाई में अनिश्चितता का माहौल बन गया है। सोमवार को कई तेजी से हुए घटनाक्रमों ने भ्रम को

और बढ़ा दिया। सबसे पहले बोराह ने पार्टी से अपने इस्तीफे की घोषणा की। इसके तुरंत बाद, कुछ स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि उन्होंने राहुल गांधी से बात की और अपना इस्तीफा वापस ले लिया। हालांकि, बोराह ने बाद में इन खबरों को खारिज करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने अपना फैसला नहीं बदला है। उन्होंने कहा कि बातचीत जारी है और उन्होंने वरिष्ठ नेताओं प्रद्युत बोरदोलोई और देबब्रता सैकिया को अपने इस्तीफे पत्र की समीक्षा करने के लिए अधिकृत किया है। उन्होंने कहा कि अगर वे उन्हें आश्वस्त कर सकें कि उनकी चिंताओं का समाधान किया जाएगा, तो वे पुनर्विचार के लिए तैयार हैं। बोराह ने कहा, ष्मैं पूरा दिन इंतजार करूंगा,ष और कहा कि वे जल्द ही अंतिम निर्णय लेंगे।

कांग्रेस के कामकाज पर बोराह की तीखी टिप्पणियां

बोराह के इस्तीफे के रूप में सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित एक पत्र में, उन्होंने पार्टी की आंतरिक गतिशीलता पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

छह राजनीतिक प्रस्ताव, भाजपा की पहल

बोरा ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अभी तक किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं हुए हैं, लेकिन साथ ही यह भी बताया कि उन्हें छह अलग–अलग पार्टियों से प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि वे आगामी चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं, संभवतः अपने जन्मस्थान रंगनाडी से। इस बीच, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बोराह को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का खुला निमंत्रण दिया। सरमा ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि बोराह ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है और पुष्टि की कि दोनों नेताओं ने फोन पर बात की है। उनकी मुलाकात तय हो चुकी है।

डा. वी.के. वर्मा ने आपदा मित्रों का स्वागत कर बढाया हौसला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पटेल एमएमएच हॉस्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल काजेल गोटवा के प्रबंधक होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक डा.वी.के. वर्मा ने एस.डी.आर.एफ. मुख्यालय, लखनऊ से 12 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे आपदा मित्र प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र, स्मृति चिन्ह भेटकर उनका उत्साहवर्धन किया। डा. वी.के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बसुआपार के जीएनएम आपदा प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटी की छात्राओं रूपा मौर्या, लक्ष्मी यादव, महिमा यादव, काजल कुमारी, शिवांगी चौधरी, प्रियंका चौधरी, ज्योति वर्मा, खुशबू गौतम, वर्षा भारती, संजनी वर्मा से आपदा प्रशिक्षण के बारे में मिले जानकारी के बारे में प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा विस्तार से पूंछा। कहा कि उन्हें जो प्रशिक्षण मिला है इसकी जानकारी अन्य छात्रों को भी दें जिससे संकट की घड़ी में वे लोगों का जीवन बचाने के साथ

ही बाढ, सूखा, आपदा की स्थिति में योगदान दे सके। एस.डी.आर.एफ. मुख्यालय, लखनऊ में 12 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा मित्र प्रतिभागियों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में विभिन्न जनपदों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान अर्जित किया। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। जिला चिकित्सालय में आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी. के. वर्मा ने कहा कि आपदा मित्र योजना भारत सरकार की एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जिसे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का एक सशक्त समूह तैयार करना है, जो आपदा के समय प्रारंभिक प्रतिक्रिया प्रदान कर सके। डा. वर्मा और प्राचार्य डा. हिमांशी वर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को खोज एवं बचाव , प्राथमिक उपचार, सीपीआर, अग्नि सुरक्षा, बाढ़ एवं भूकंप जैसी आपदाओं में राहत कार्य, तथा आपातकालीन संचार प्रणाली की जानकारी दी गई। आपदा मित्र जिले के लिए एक सशक्त संसाधन के रूप में कार्य कर सकते हैं। आपदा की स्थिति में ये प्रशिक्षित स्वयंसेवक त्वरित सहायता प्रदान कर जन–धन की हानि को कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही, ये अपने–अपने क्षेत्रों में जागरूकता फैलाकर आपदा न्यूनीकरण एवं तैयारी को बढ़ावा देंगे।

58 मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी, मौके पर मिले सिर्फ 24 : सरकारी धन की बंदरबांट का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। विकास खंड पचपेड़वा की ग्राम पंचायत भैंसहवा में मनरेगा कार्यों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का मामला सामने आया है। यहां 6 मास्टर रोल पर 58 मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी दर्ज की गई, लेकिन जब वास्तविक स्थिति देखी गई तो कार्यस्थल पर मात्र 24 मजदूर ही काम करते मिले। इस खुलासे से योजना की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मनरेगा में फर्जी हाजिरी लगाकर सरकारी धन निकालने का खेल लंबे समय से चल रहा है। पोर्टल पर दर्ज संख्या और जमीन पर मौजूद मजदूरों के बीच भारी अंतर यह संकेत देता है कि कागजों में मजदूर बढ़ाकर भुगतान निकालने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई ऐसे नाम दर्ज हैं जो कभी काम पर दिखाई ही नहीं देते, वास्तविक मजदूरों को पूरा लाभ मिलने पर भी संशय बना रहता है, मास्टर रोल तैयार करने से लेकर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने तक पूरे सिस्टम में लापरवाही या मिलीभगत की आशंका है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच, भुगतान का सत्यापन और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो मनरेगा जैसी गरीबों की योजना का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। यह मामला सामने आने के बाद अब जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। लोगों की नजर अब प्रशासनिक जांच पर टिकी है कि आखिर कागजों में काम करने वाले " मजदूरों" की सच्चाई कब सामने आएगी।

डीएम ने मृतक होमगार्ड के आश्रितों को रुपए 38 लाख का चेक प्रदान किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सन्त कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा होमगार्ड

कंपनी सेमरियावां, जनपद संत कबीर नगर के मृतक होमगार्ड स्व0 फूलचंद की पत्नी कुसुमलता को बीमा राशि रुपए 30 लाख, शिक्षा हेतु सहायता धनराशि के रूप में बेटी साक्षी को रुपए 04 लाख एवं बेटी अंशिका को रुपए 04 लाख का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया। मृतक होमगार्ड स्व0 फूलचंद के आश्रितों को होमगार्ड मुख्यालय द्वारा रुपए 05 लाख की अनुग्रह राशि प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त रुपए 38 लाख की धनराशि का भुगतान एक्सिस बैंक द्वारा किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट कक्ष में मृतक होमगार्ड के आश्रितों को कुल 38 लाख रुपए का प्रतीकात्मक चेक/सहायता राशि प्रदान किया गया। धनराशि का भुगतान एक्सिस बैंक की तरफ से दिया गया है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) जयप्रकाश, जिला होमगार्ड कमांडेंट शैलेंद्र कुमार मिश्रा, एपीसी ऋषिमुनि सिंह, ब्रांच हेड एक्सिस बैंक नागेंद्र कुमार यादव व कॉर्पोरेट मैनेजर नीरज मिश्रा सहित मृतक होमगार्ड के आश्रित आदि उपस्थित रहे।

शिव पुराण की महिमा सुन श्रद्धालु हुए भक्ति भाव से विभोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। कस्बा के प्राचीन शिव मंदिर पर चल रहे 9 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा में भगवान शिव के श्रद्धालु बड़ी संख्या में कथा श्रवण करने और शिव की कृपा से मोक्ष की पहुंचे।कथावाचक आचार्य संतोष नियमित जाप से जीवन में मंत्र की महिमा और भस्म की महिमा का बखान किया। उन्होंने बताया कि इस मंत्र के जब से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों के समस्त पापों का हरण कर लेते हैं। उन्होंने पंचाक्षरी मंत्र ओम नमः शिवाय को वेदों का कर्म बताया और कहा कि भगवान शंकर ही ऐसे देवता हैं।

पंचाक्षरी मंत्र के पांचो अक्षर पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस मंत्र के जब से मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा, पापों का नाश और शिव की कृपा से मोक्ष की प्राप्ति होती है. इस मंत्र के नियमित जाप से जीवन में स्थिरता सफलता और आध्यात्मिकता आता है।उन्होंने कहा कि भगवान शिव की पूजा के लिए मूर्ति से अधिक फलदाई शिवलिंग का पूजन है। शिवलिंग की स्थापना स्वयं करना या दूसरों से करवाना उत्तम फल देता है। भगवान शंकर ही ऐसे देवता हैं। जो मूर्ति व लिंग के रूप में पूजे जाते हैं। भस्म की महिमा बताते हुए कथावाचक ने कहा की भस्म शिव का प्रसाद और पवित्रता का प्रतीक है।

जो नश्वरता का बोध कराता है। भस्म को शिव की पूजा में अत्यंत महत्व दिया गया है। यह शरीर की नश्वरता और वैराग्य का प्रतीक है। शिव महापुराण के अनुसार भस्म को धारण करने से शिव की कृपा प्राप्त होती है। भस्म को विभूति भी कहा जाता है हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और कल्याणकारी माना गया है। यह भगवान शिव का प्रिय आभूषण है और नश्वरता एवं वैराग्य का प्रतीक है। भस्म को भगवान शिव को अर्पित करना अत्यंत कल्याणकारी है। भस्म का धारण करना अग्नि स्नान के समान है। जो शरीर के साथ–साथ मन को भी शुद्ध करती है। मौके पर प्रसिद्ध श्रीराम कथा वाचिका प्राची शुक्ला, भजन गायिका रेनू शर्मा, अनूप छापड़िया, शिव जायसवाल, सत्य प्रकाश वर्मा, दिलीप मिश्र, फूल कुमार , राकेश आर्या, दीन दयाल जायसवाल, रजत जायसवाल, सुनील, अशर्फी, प्रह्लाद अग्रहरी आदि रहे।

डीएम ने ग्राम केरमुआ में वृद्धाश्रम के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सन्त कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा विकासखंड

खलीलाबाद अंतर्गत ग्राम केरमुआ में वृद्धाश्रम के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्य में गुणवत्ता व निर्धारित समयावधि में वृद्धा आश्रम का निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल को निर्देशित किया गया। स्थलीय निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित मानक व नक्शे के अनुसार वृद्धा आश्रम के निर्माण कार्य का ले–आउट आदि का परीक्षण भी कराया गया।

लापता चारों बच्चे सकुशल बरामद,गांव में खुशी की लहर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के खोड़ारे थाना क्षेत्र अन्तर्गत ढ़ड़वा कुतुबजोत गांव से एक साथ लापता हुए चारों बच्चों को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सकुशल बरामद कर लिया। बच्चों के सुरक्षित मिलने से परिजनों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है तथा पूरे गांव में खुशी का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर बाद गांव के चार बच्चे अचानक लापता हो गए थे। बच्चों की उम्र लगभग 6 से 10 वर्ष के बीच बताई जा रही है। एक साथ चार बच्चों के गायब होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल स्वयं मौके पर पहुंचे और पुलिस टीमों को सघन तलाश अभियान के निर्देश दिए। पुलिस ने आसपास के खेतों और संभावित स्थानों पर गहन छानबीन की। लगातार प्रयासों के बाद सरसों के खेत से चारों बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

बच्चों के सकुशल मिलने पर परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे। ग्रामीणों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। फिलहाल पुलिस बच्चों से पूंछताछ कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है और मामले की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

माइथो–एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज, विराट कर्णा का शिव अवतार बना सबसे बड़ी हाईलाइट

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर, अभिषेक नामा के डायरेक्शन में बनी माइथो–एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में विराट कर्णा लीड रोल में हैं। प्रोड्यूसर किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने इस फिल्म को एक बहुत बड़े स्केल पर तैयार किया है, जिसमें वर्ल्ड–क्लास प्रोडक्शन वैल्यू साफ नजर आ रही है। फैंस की एक्साइटमेंट तब सातवें आसमान पर पहुंच गई जब सुपरस्टार महेश बाबू ने खुद इस टीजर को लॉन्च किया, जिससे पूरे देश में इस फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हिमालय की रहस्यमयी वादियों के बैकड्रॉप पर सेट यह टीजर एक ऐसी दुनिया का दरवाजा खोलता है, जहां समय से भी पुराना एक गहरा राज दफन है। जब एक इंसान का लालच इस ब्रह्मांडीय सच को उजागर करने की कोशिश करता है, तब नियति खुद अपने योद्धा को चुनती है। नागबंधम की कहानी अब्दाली के ऐतिहासिक अफगान आक्रमण से प्रेरित है, जिसमें माइथोलॉजी, इतिहास और आध्यात्मिक युद्ध का अनोखा मेल देखने को मिलता है। यह लड़ाई सांस्कृतिक विरोध और दैवीय सुरक्षा के बीच के टकराव को दिखाती है। इस महागाथा के केंद्र में है पवित्र नागबंधम मंदिर, एक ऐसा गुप्त मंदिर जिसकी रक्षा दिव्य शक्तियां कर रही हैं और माना जाता है कि यहां ब्रह्मांड की एक प्राचीन शक्ति सुरक्षित है। हिमालय के छिपे हुए रास्तों के बीच स्थित इस मंदिर में इतनी अपार शक्ति है कि अगर यह गलत हाथों में पड़ गई, तो अकल्पनीय तबाही आ सकती है। ब्रह्मा की रचना से जन्मा... विष्णु के धर्म से सुरक्षित... महादेव के क्रोध से शक्ति प्राप्त..., यह दमदार लाइन नागाबंधम की आत्मा को बखूबी बयां करती है। यह एक ऐसी गाथा है जहाँ दिव्यता, नियति और विनाश का आमना–सामना होता है। डायरेक्टर अभिषेक नामा की बड़ी सोच और साफ विजन इस टीजर में साफ झलकती है। उन्होंने जिस तरह से माइथोलॉजी, एक्शन और आध्यात्म को बेहतरीन टेक्निकल काम के साथ जोड़ा है, वो इस फिल्म को एक अलग ही लेवल पर ले जाता है। हैरानी की बात यह है कि बिना एक भी डायलॉग के, यह टीजर अपनी विजुअल पावर और शानदार कहानी कहने के अंदाज से दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब रहा है। पहले ही फ्रेम से नागबंधम एक भव्य विजुअल एपिक होने का अहसास कराती है। सिनेमैटोग्राफर सुंदर राजन एस ने कमाल की बारीकी के साथ दिल दहला देने वाले नजारों को कैमरे में कैद किया है, वहीं हाई–एंड वीएफएक्स फिल्म के स्केल को और भी बड़ा बना देते हैं। विजुअल्स के साथ–साथ अशोक कुमार का शानदार प्रोडक्शन डिजाइन, जुनैद कुमार का रोंगटे खड़े कर देने वाला बैकग्राउंड स्कोर और आरसी प्रणव की जबरदस्त एडिटिंग दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है, जहां भक्ति युद्ध बन जाती है और आस्था गुस्से में बदल जाती है। प्रोड्यूसर्स की यह पहली फिल्म होने के बावजूद, उनका काम करने का अंदाज काफी मजबूत दिख रहा है। उन्होंने डायरेक्टर अभिषेक नामा के बड़े विजन को पूरा सपोर्ट किया है। भारी–भरकम सेट्स लगाने से लेकर वीएफएक्स और हर टेक्निकल बारीकी पर जिस तरह ध्यान दिया गया है, उससे साफ है कि यह फिल्म इंडियन सिनेमा के लिए एक नया बेंचमार्क सेट करने वाली है। कहानी के हीरो विराट कर्णा एक बहुत ही दमदार और बदले हुए अवतार में नजर आ रहे हैं। टीजर में मगरमच्छ के साथ उनकी लड़ाई के अलावा, भगवान शिव के रूप में उनकी एंट्री सबसे बड़ी हाईलाइट है। शिव जी का किरदार निभाना आसान नहीं होता, लेकिन विराट ने इसे पूरी शिद्दत से निभाया है। उनकी इंटेंसिटी और गजब का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन इशारा करता है कि यह उनके करियर की सबसे यादगार परफॉरमेंस होने वाली है। फिल्म में नभा नतेश, ईश्वर्या मेनन, महेश मांजरेकर, जगपति बाबू, ऋषभ साहनी, गरुड़ राम, जयप्रकाश, मुरली शर्मा, अनसूया भारद्वाज और बी.एस. अविनाश जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। नागबंधम 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली पैन–इंडिया फिल्मों में शुमार हो गई है।

रामभद्राचार्य जी के श्रीमुख से वशिष्ठ रामायण कथा 18 से, तैयारियां पूरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मंगलवार को महर्षि वशिष्ठ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और वशिष्ठ रामायण कथा के निमित्त आयोजित भव्य कलश यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त सम्मिलित हुए। कलश यात्रा जागेश्वर नाथ धाम तिलकपुर मंदिर से प्रारंभ होकर बढ़नी मिश्र कथा स्थल तक गाजे–बाजे और जय श्रीराम , गुरु वशिष्ठ के जयकारों के साथ पहुंची। यात्रा में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाती हुई श्रद्धा और उल्लास के साथ आगे बढ़ रही थीं। सजे–धजे रथ पर भगवान गणेश, महर्षि वशिष्ठ, श्रृंगी ऋषि एवं देवरहा बाबा की झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया। डीजे की धुन पर नृत्य करते बड़ी संख्या में युवा भी सम्मिलित हुए। कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना दिया। कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि महर्षि वशिष्ठ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा एवं वशिष्ठ रामायण कथा की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है । समिति बनाकर सैकड़ो धर्म योद्धाओं को दायित्व सौंपे गये हैं। कथा पंडाल के निकट ही चार जगहों पर गाड़ी पार्किंग की व्यवस्था की गई है। किसी भी समस्या के लिए कथा स्थल पर कार्यालय और कंट्रोल रूम में 9936114625 पर संपर्क किया जा सकता है। श्री राना ने बताया कि 18 से 26 फरवरी तक चलने वाली वशिष्ठ रामायण कथा का वाचन तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी के श्रीमुख से होगा। इस दौरान लाखों श्रद्धालु कथा का रसपान करेंगे। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से वशिष्ठ धाम की ख्याति और गौरव देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैलेगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए श्रद्धालु भक्तों से आग्रह करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में कथा स्थल पर पहुंचकर वशिष्ठ रामायण कथा का श्रवण करें और इस पुण्य अवसर का लाभ उठाएं। बताया कि श्रद्धालु भक्तों को नेशनल हाईवे के निकट गोटवा और नगर मार्ग पर खजुरिया के पास सड़क मार्ग से प्रवेश का प्रबन्ध किया गया है। कलश यात्रा में मुख्य रूप से नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना, सतीश मिश्र, रत्नेश मिश्र, विकास मिश्र, सत्यम मिश्र, डॉक्टर विजय मिश्र, आशुतोष मिश्रा, मनु पंडित सहित सैकड़ो श्रद्धालु भक्तगण उपस्थित रहे।

प्रज्ज्वल श्रीवास्तव ने जेईई मेन्स में 99.79% अंक प्राप्त कर रोशन किया क्षेत्र का नाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। बांसी स्थानीय ग्राम गौरा के निवासी प्रज्ज्वल श्रीवास्तव ने जेईई मेन्स 2026 परीक्षा में 99.79 प्रतिशत अंक प्राप्त करके क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रज्ज्वल के पिता सचिन कुमार श्रीवास्तव और मां प्राची राज श्रीवास्तव के साथ साथ के पूरे क्षेत्र के लिए यह गर्व का क्षण है। प्रज्ज्वल के बाबा स्व. नरेश चंद्र श्रीवास्तव बांसी के ख्याति प्राप्त अधिवक्ता थे। उनकी विरासत को आगे बढ़ाते हुए प्रज्ज्वल ने अपनी असाधारण प्रतिभा का कौशल दिखाया है। प्रज्ज्वल की इस उपलब्धि से उनके परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। प्रज्ज्वल की इस उपलब्धि पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव, ध्रुव चंद जायसवाल,अमय पाण्डेय , अनुपमा सिंह दुबे, सौरभ सिंह, प्रधानाचार्य डॉ. धर्मेंद्र मिश्र, डॉ कृष्ण कुमार, ग्राम प्रधान अरविंद सिंह, मनोज कुमार द्विवेदी, कृष्ण कोमल लाल, संजय श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव अधिवक्ता रत्नेश श्रीवास्तव, आनंद कुमार वर्मा, दिलीप श्रीवास्तव, रवि, अनुराग, नारायण लाल, उमेश चंद्र,सौरभ, गुंजन, कलावती श्रीवास्तव, सपना, आशीष, मेहुल, प्रखर तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बधाई दी है। उनकी इस सफलता से बांसी क्षेत्र में खुशी की लहर है।

जल जीवन मिशन में लापरवाही पर सीडीओ सख्त, कार्यदायी संस्थाओं को कड़ी फटकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में हर घर जल योजना की धीमी प्रगति और सड़कों की बदहाली को लेकर मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बलराम सिंह ने कड़ा रुख अपनाया है। मंगलवार को सिद्धार्थ सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों में मानक की अनदेखी और कछुआ गति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। घ्मैनपावर बढ़ाएं और गुणवत्ता सुधारेंरू मुख्य विकास अधिकारी बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ बलराम सिंह ने कार्यदायी संस्था मेघा, जैक्शन और बीएसई इन्फ्रा के प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे तत्काल मैनपावर बढ़ाकर निर्माण कार्यों में तेजी लाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जल जीवन मिशन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजना है और इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़कों और इंटरलॉकिंग की मरम्मत के निर्देश गांवों से मिल रही शिकायतों का संज्ञान लेते हुए सीडीओ ने कहा कि पाइपलाइन बिछाने के नाम पर सड़कों और इंटरलॉकिंग को खोदकर छोड़ दिया गया है, जिससे आम जनता को भारी असुविधा हो रही है। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि खोदे गए गड्ढों को

तत्काल मानक के अनुरूप ठीक कराया जाए। निर्माण कार्य पूर्ण होते ही गुणवत्तापूर्ण इंटरलॉकिंग सुनिश्चित की जाए। थर्ड पार्टी एजेंसी से सभी कार्यों का सत्यापन कराया जाए। 10 वर्षों तक रखरखाव की होगी जिम्मेदारी मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासनादेश के अनुसार, योजना का हैंडओवर तभी होगा जब ग्राम पंचायत कमेटी संतुष्ट होगी और शत–प्रतिशत कनेक्शन पूर्ण हो जाएंगे। उन्होंने याद दिलाया कि संबंधित एजेंसी को कार्य पूर्ण होने के उपरांत 10 वर्षों तक प्रोजेक्ट का देखरेख और संचालन करना होगा। जहाँ कार्य पूर्ण हो चुका है, वहाँ तत्काल जलापूर्ति शुरू की जाए। बैठक में ये रहे उपस्थित इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियन्ता जल निगम संजय जायसवाल, जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) वाचस्पति झा, विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के प्रोजेक्ट मैनेजर तथा अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरघाट में सनातन उद्घोष कथा महोत्सव में सती त्याग व शिव पार्वती विवाह प्रसंग से गूंजी धर्मभूमि

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी चाफा के बरघाट स्थित श्री दुर्गा मंदिर में कर्मयोगी परिवार के तत्वावधान में आयोजित श्री आदि शक्ति मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा, श्री रुद्र महायज्ञ एवं सवा पाँच लाख पार्थिव शिवलिंग पूजन के पावन अवसर पर चल रहे सनातन उद्घोष कथा महोत्सव के तीसरे दिवस मंगलवार को साध्वी सरस्वती जी ने सती के त्याग और शिव पार्वती विवाह के प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। तीसरे दिन की कथा का शुभारम्भ मुख्य अतिथि देवी पाटन पीठ के पीठाधीश्वर मिथिलेश नाथ योगी ने किया। उनकी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन आध्यात्मिक ऊँचाइयों पर पहुँचा। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, नगर पालिका अध्यक्ष डा. धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धीरू सिंह, ब्लाक प्रमुख तुलसीपुर प्रवीण सिंह विक्की, पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, ब्लाक प्रमुख मिठवल दशरथ चौधरी, दीपेंद्र विक्रम सिंह एवं चेयरमैन धर्मराज वर्मा ने सामूहिक आरती की। कथा में साध्वी सरस्वती जी ने कहा कि जैसे भाषा की शुद्धि व्याकरण से होती है, वैसे ही मानव जीवन की शुद्धि रामचरितमानस से होती है। मानस के सरोवर में डूबकर जीवन धन्य हो जाता है, रामकथा ही जीवन में क्रांति लाकर शुद्ध मानव बनाती है। उन्होंने बताया कि भगवान शिव द्वारा सती का त्याग रामभक्ति को उजागर करने के लिए था, पार्वती श्रद्धा की प्रतीक हैं और शिव विश्वास के श्रद्धा व विश्वास का संगम रामकथा से ही संभव है। उन्होंने देशरक्षा को केवल सैनिकों या पुलिस का नहीं, बल्कि हर नागरिक का संवैधानिक और नैतिक कर्तव्य बताया। समाज से सतर्क रहकर राष्ट्रविरोधी ताकतों के विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि सनातनियों को एक हाथ में माला और दूसरे हाथ में भाला उठाने का भाव विकसित करना होगा, तभी समाज का कल्याण सुनिश्चित होगा। कथा के अंत में भगवान शंकर के विवाह और दिव्य देवताओं और भूत प्रेतों सहित बारात कि बहुत सुंदर झांकी भी दिखाई गई। जिसका सभी ने दर्शन किया। कार्यक्रम में ईओ नवीन सिंह, थानाध्यक्ष भवानीगंज बृजेश सिंह सहित मंटू पाण्डेय, राम प्रमोद यादव, केशव प्रसाद, रामनेवास यादव, जुग्गीलाल, चन्द्रपाल वर्मा, संतोष वर्मा, झिनकन गौतम, इंद्रजीत यादव, अमित कुमार गुप्ता, प्रमोद गौतम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उसका बाजार में समेकित शिक्षा पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

उस्का बाजार। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित समेकित शिक्षा योजना के तहत शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हो गया। यह प्रशिक्षण ब्लॉक संसाधन केंद्र, उसका बाजार में आयोजित किया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) करुणापति त्रिपाठी ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ना और शिक्षकों को समावेशी शिक्षा के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने बताया कि समावेशी वातावरण तैयार कर ही दिव्यांग बच्चों के शैक्षिक विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।समावेशी शिक्षा का मूल उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों को सामान्य बच्चों के साथ जोड़ते हुए उनकी विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके लिए शिक्षकों में संवेदनशीलता, धैर्य और विशेष शिक्षण तकनीकों का समुचित प्रयोग आवश्यक है। प्रशिक्षण में स्पेशल एजुकेटर प्रद्युमन सिंह, अखिलेश्वर मिश्र, अजय भारती, अरुण कुमार भारती तथा सुनील यादव ने सहायक अध्यापकों को दिव्यांग बच्चों के शिक्षण से जुड़ी विभिन्न जानकारियां प्रदान कीं। प्रशिक्षकों ने बच्चों की सीखने की क्षमता के अनुरूप शिक्षण पद्धतियों, व्यवहारिक गतिविधियों और कक्षा में समावेशी माहौल बनाने के उपायों पर विशेष जोर दिया। जिला समन्वयक आशीष मिश्र ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उनकी शैक्षिक प्रगति सुनिश्चित करने के लिए ऐसे प्रशिक्षण शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे सहायक अध्यापकों को व्यवहारिक सहयोग और समग्र विकास से संबंधित विषयों पर व्यापक जानकारी मिल सके।

सिद्धार्थनगर में कल से सजेगी भारत–नेपाल मैत्री की साझा विरासत, सांस्कृतिक महोत्सव का होगा आगाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊर्जा देने के लिए 18 और 19 फरवरी को जनपद में 'भारत–नेपाल मैत्री महोत्सव' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। संस्कृति एवं पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में कला, लोक संगीत और मैत्री का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। भव्य शोभायात्रा से होगा शुभारंभ महोत्सव की शुरुआत बुधवार (18 फरवरी) को दोपहर 02:00 बजे एक भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा के साथ होगी। यह यात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी, जिसमें दोनों देशों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी। इसके पश्चात सायं 4:00 बजे से बी.एस.ए. ग्राउंड में मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंच सजेगा। मुंबई के गायक विशाल श्रीवास्तव बिखेरेंगे सुरों का जादू घ्महोत्सव का मुख्य आकर्षण 18 फरवरी की सांस्कृतिक संध्या होगी, जिसमें मुंबई के सुप्रसिद्ध गायक विशाल श्रीवास्तव अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही शास्त्रीय गायन और लोक नृत्यों की प्रस्तुति से शाम को यादगार बनाया जाएगा। घविविध कार्यक्रमों का होगा आयोजन घ्दो दिवसीय आयोजन के दौरान केवल गायन–वादन ही नहीं, बल्कि बौद्धिक और व्यापारिक गतिविधियों को भी स्थान दिया गया है : प्रदर्शनीः 'एक जनपद–एक उत्पाद' (ओडीओपी) की विशेष प्रदर्शनी। कला : भारत–नेपाल संबंधों पर आधारित चित्रकला एवं रंगोली प्रदर्शनी। साहित्यः कवि सम्मेलन एवं विचारोत्तेजक संगोष्ठी। घविभिन्न राज्यों के कलाकारों का होगा जमावड़ा घ्19 फरवरी को महोत्सव के दूसरे दिन मध्यप्रदेश, लखनऊ, प्रयागराज, सीतापुर और संत कबीर नगर समेत कई जनपदों के कलाकार अपनी लोक कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से इस ऐतिहासिक मैत्री उत्सव में सपरिवार शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

क्षेत्र पंचायत कार्यालय लोटन का जांच करते डीडीओ, चंदा न देने पर जांच की धमकी

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड में जिला विकास अधिकारी द्वारा पंचायत सचिवों से होली का चंदा मांगने का मामला सामने आया है। सचिवों का आरोप है कि डीडीओ ने चंदा न देने पर ग्राम पंचायतों की जांच करने की धमकी दी है। सचिवों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सभी ग्राम पंचायतों से दो–दो हजार रुपये होली का चंदा लगाया गया है। लेकिन लगभग दो वर्ष से मनरेगा का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे प्रधान चंदा देने में असमर्थता जता रहे हैं। लोटन विकास खण्ड कार्यालय का मंगलवार को जिला विकास अधिकारी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में सम्पत्ति रजिस्टर आदि अधूरा मिलने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए 15 दिवस के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीडीओ ने कार्यालय में सचिवों की बैठक किए। नाम न छापने की शर्त पर कुछ सचिवों ने आरोप लगाया कि बैठक सिर्फ होली का चंदा वसूलने के लिए बुलाया गया था। बैठक में चंदा न देने वाले सचिवों के ग्राम पंचायतों की जांच करने की धमकी दी गई। जिससे सचिवों में आक्रोश है। प्रधानों ने भी चंदा का विरोध किया। डीडीओ राजमणि वर्मा का कहना है कि सारे आरोप बेबुनियाद है, मैंने कार्यालय का निरीक्षण किया है।

गलत मुद्रा में सोने से गर्दन में अकड़न आ गई? इन तरीकों से करें ठीक

अकड़न एक ऐसी समस्या है, जो गर्दन के आस–पास की मांसपेशियों में तनाव के कारण हो सकती है। इसका मुख्य कारण सोते समय गर्दन का गलत तरीके से टेढ़ा होना हो सकता है। इसके कारण सुबह उठते ही गर्दन में दर्द और अकड़न महसूस होती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू उपाय बताते हैं, जो गर्दन की अकड़न को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

गर्म सिकाई करें

गर्दन की अकड़न को दूर करने के लिए गर्म सिकाई करना एक असरदार तरीका हो सकता है। इसके लिए आप एक गर्म पानी की बोतल या फिर तौलिए को गर्म करें और उसे प्रभावित हिस्से पर रखें। यह प्रक्रिया लगभग 15–20 मिनट तक करें। इससे खून का बहाव बढ़ता है और अकड़न में राहत मिलती है। गर्म सिकाई से मांसपेशियों को आराम मिलता है और दर्द कम होता है, जिससे आपको जल्दी राहत मिल सकती है।

हल्की स्ट्रेचिंग करें

गर्दन की अकड़न को ठीक करने के लिए हल्की स्ट्रेचिंग करना फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए आप धीरे–धीरे सिर को आगे–पीछे, दाएं–बाएं घुमाएं। इससे गर्दन की मांसपेशियां ढीली होती हैं और दर्द में कमी आती है। स्ट्रेचिंग करते समय ध्यान रखें कि यह बहुत हल्के हाथों से करें ताकि किसी प्रकार की चोट न हो। इस प्रक्रिया को दिन में कुछ बार दोहराएं और धीरे–धीरे गर्दन की गति बढ़ाएं। इससे आपको जल्दी राहत मिलेगी।

तेल की मालिश करें गर्दन की अकड़न को दूर करने के लिए तेल की मालिश करना एक पुराना और असरदार तरीका है। इसके लिए सरसों या नारियल तेल का इस्तेमाल करें। तेल को हल्का गर्म करके प्रभावित हिस्से पर मालिश करें। इससे खून का बहाव बढ़ता है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। मालिश करने से दर्द कम होता है और अकड़न में राहत मिलती है। इसे नियमित रूप से करने पर गर्दन की अकड़न जल्दी ठीक हो सकती है।

ठंडी सिकाई करें

ठंडी सिकाई भी गर्दन की अकड़न को ठीक करने में मदद कर सकती है। बर्फ के टुकड़ों को साफ कपड़े में लपेटकर प्रभावित हिस्से पर रखें। इससे सूजन कम होती है और दर्द में राहत मिलती है। ठंडी सिकाई से मांसपेशियां ढीली होती हैं और आपको आराम मिलता है। इसे दिन में 2–3 बार दोहराएं। ध्यान रखें कि बर्फ सीधे त्वचा पर न लगाएं, हमेशा कपड़े का उपयोग करें।

सही तकिया चुनें

सोते समय सही तकिया चुनना बहुत जरूरी है ताकि गर्दन को सही समर्थन मिल सके। ऐसा तकिया चुनें, जो आपकी गर्दन और सिर को सही तरीके से सहारा दे सके। बहुत ऊंचा या नीचा तकिया न लें क्योंकि इससे अकड़न बढ़ सकती है। इन घरेलू उपायों को अपनाकर आप अपनी गर्दन की अकड़न को जल्दी ठीक कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं। नियमित अभ्यास से आपको लंबे समय तक राहत मिलेगी।

कलेक्ट्रेट गेट पर युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास, सुरक्षाकर्मियों की मुस्तैदी से बची जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जनपद में मंगलवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर एक युवक ने खुद पर डीजल डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की। गनीमत रही कि वहां तैनात पीआरडी के जवानों और पुलिसकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए युवक को आग लगाने से पहले ही दबोच लिया। मिली जानकारी के अनुसार, सदर थाना क्षेत्र के बसड़ीलिया गांव का रहने वाला एक युवक अज्ञात कारणों और मानसिक तनाव के चलते कलेक्ट्रेट पहुँचा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक ने अचानक अपने शरीर पर डीजल उड़ेल लिया। इससे पहले कि वह माचिस जला पाता, गेट पर सुरक्षा में लगे पीआरडी जवानों ने उसे पकड़ लिया और अनहोनी को टाल दिया। पुलिस और चिकित्सा कार्रवाई घटना के तुरंत बाद पुलिसकर्मियों ने युवक को हिरासत में लेकर उपचार के लिए जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। डॉक्टरों के मुताबिक, युवक शारीरिक रूप से सुरक्षित है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सूत्रों और स्थानीय चर्चाओं के अनुसार, आत्मदाह के इस प्रयास के पीछे आपसी रंजिश और पुलिसिया कार्रवाई से असंतोष मुख्य कारण बताया जा रहा है। विपक्षी पर कार्रवाई बीते कल गाँव की ही एक महिला ने पीड़ित युवक और उसके परिजनों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था। चर्चा है कि युवक भी उस महिला और उसके परिवार के खिलाफ शिकायत लेकर थाने गया था, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने उसकी एक न सुनी। इसी श्एकतरफाश कार्यवाही से क्षुब्ध होकर युवक ने यह आत्मघाती कदम उठाया। प्रशासनिक रुख फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि युवक को इस चरम कदम तक ले जाने वाली वास्तविक परिस्थितियां क्या थीं। कलेक्ट्रेट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और चौकस कर दी गई है।

सम्पादकीय

उम्मीद की जानी चाहिए कि इंडिया समिट में एआई की विश्वसनीयता बनाने की दिशा में कोई सार्थक पहल होगी। जरूरी है कि एआई का कारोबार करने वाली कंपनियों की जवाबदेही भी तय की जाए। वहीं भारत जैसे विकासशील देशों में, जहां श्रमप्रधान कार्य– संस्कृति रही है और फिलहाल बेरोजगारी का आंकड़ा बढ़ा है, वहां एआई नौकरी देने वाली हो, न कि नौकरी ...

शिखर सम्मेलन से दुनिया में भारतीय दस्तक

भारत ने बदलती वैश्विक हवा की दिशा–दशा को पहचानते हुए देश में जिस सबसे बड़ी एआई समिट आयोजित कराने का फैसला किया, उसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इस पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन की सार्थकता का पता इस बात से चलता है कि इसमें सौ बड़ी कंपनियों के सीईओ, बीस के करीब देशों के राष्ट्राध्यक्ष और 135 देशों के प्रतिनिधि जुटने की बात कही जा रही है। हाल के वर्षों में, दुनिया के सबसे ज्यादा युवाओं के देश भारत में एआई को लेकर जिस तरह का उत्साह व जुनून देखने को मिल रहा है, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में वो देश को दुनिया में एआई का हब बना ही देगा। वहीं दूसरी ओर महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई भारत में आम लोगों के जीवन में बदलाव की वाहक बने। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई भारत समेत दुनिया के देशों में आज सुशासन, विकास व नागरिक सेवाओं के बेहतर निस्तारण में कारगर भूमिका निभा रही है। यही वजह है कि ग्लोबल साउथ के देश हमारी ओर बड़ी उम्मीद से देख रहे हैं कि भारत द्वारा विकसित एआई के दिशा–निर्देश और नीतियां उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिये मददगार साबित होंगी। आज दुनिया में विकसित व धनी देश एआई को अपनी संकीर्ण आर्थिक व राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन बना रहे हैं, उससे गरीब व विकासशील देशों में असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है। यह सुखद ही कि देश की राजधानी दिल्ली पांच दिन तक दुनिया में एआई कैपिटल बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर, 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित की जा रही पांच दिवसीय इंडिया समिट में करीब तीन लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन कराना, इस आयोजन की सार्थकता व सफलता को ही उजागर करता है। इसमें दो राय नहीं है कि हाल के वर्षों मे भारत ने खुद को एक एआई पॉवर हाउस के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। साथ ही विशाल डाटा संसाधन के साथ ही एआई वर्क फोर्स को भी तैयार किया है। निस्संदेह, इंडिया समिट तकनीकी क्रांति के बीच नई संभावनाओं को तलाशने की भारत की सकारात्मक पहल है। विश्वास किया जा रहा है कि इस सम्मेलन के जरिये भारत दुनिया में एआई को जवाबदेह, स्थायी और समावेशी तकनीक के रूप में स्थापित करने का प्रयास करेगा। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में एआई की स्वीकार्यता व कारोबार तेजी से बढ़ा है। लेकिन विडंबना यह है कि तमाम धनी राष्ट्रों में इस तकनीक को अपना जिन्न बनाने की होड़ लगी है। जो कालांतर दुनिया में पहले से ही व्याप्त आर्थिक असमानता को और ही बढ़ाएगा। सही मायनों में दुनिया में समावेशी समाज बनाने और आर्थिक विषमता को दूर करने के लिये जरूरी है कि एआई का उपयोग लोकतांत्रिक तरीके से नैतिकतापूर्ण ढंग से किया जाए। विश्वास किया जाना चाहिए कि इंडिया समिट में दुनिया के देश एआई तकनीक के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी मंथन करेंगे। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि एआई तेजी से दुनिया में विस्तार तो पा रही है, मगर यह तकनीक मानव जीवन के लिये कई तरह के खतरे भी पैदा कर रही है। हाल के वर्षों में दुनिया में एआई के दुरुपयोग के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। जाहिर है इसके उपयोगकर्ताओं में इसको लेकर भरोसा कायम रहना चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि इंडिया समिट में एआई की विश्वसनीयता बनाने की दिशा में कोई सार्थक पहल होगी। जरूरी है कि एआई का कारोबार करने वाली कंपनियों की जवाबदेही भी तय की जाए। वहीं भारत जैसे विकासशील देशों में, जहां श्रमप्रधान कार्य–संस्कृति रही है और फिलहाल बेरोजगारी का आंकड़ा बढ़ा है, वहां एआई नौकरी देने वाली हो, न कि नौकरी खाने वाली। एआई के विस्तार से परंपरागत नौकरियों पर संकट नहीं आना चाहिए। निस्संदेह, युवाओं के देश भारत में एआई के प्रति जागरूकता व जुनून पैदा करने के लिये युद्ध स्तर पर पहल की जानी चाहिए। ताकि आने वाले वर्षों में हम भारत को दुनिया का एआई हब बनते हुए देख सकें।

आधुनिक जीवन की आपाधापी और आयुर्वेद की प्रासंगिकता

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, कृत्रिम खान–पान और निरंतर बढ़ते मानसिक तनाव के बीच हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि शरीर केवल मशीनों का समूह नहीं, बल्कि प्र.ति का एक सूक्ष्म अंश है। जैसे–जैसे जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ वैश्विक चुनौती बन रही हैं, वैसे–वैसे दुनिया एक बार फिर भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। आयुर्वेदः केवल उपचार नहीं, जीवन जीने की कला

आयुर्वेद को अक्सर केवल जड़ी–बूटियों के नुस्खे के रूप में देखा जाता है, जो कि एक संकुचित दृष्टिकोण है। वास्तव में, आयुर्वेद दो शब्दों से बना है. आयु (जीवन) और वेद (ज्ञान)। यह पद्धति श्स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणंश (स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा) के सिद्धांत पर टिकी है।

आज के संदर्भ में आयुर्वेद का महत्व निम्नलिखित बिंदुओं से समझा जा सकता है एलोपैथी जहाँ लक्षणों पर आधारित समान उपचार प्रदान करती है, वहीं आयुर्वेद प्रत्येक व्यक्ति की प्रकृति. वात, पित्त और कफ. के अनुसार आहार और विहार का सुझाव देता है। आधुनिक चिकित्सा अक्सर बीमारी होने के बाद सक्रिय होती है। इसके विपरीत, आयुर्वेद ऋतुचर्या (सीजनल रूटीन) और दिनचर्या के माध्यम से रोगों को पनपने ही नहीं देता।

मानसिक स्वास्थ्य और योगरू आज का युग श्स्ट्रेसश का युग है। आयुर्वेद न केवल शरीर बल्कि मन और आत्मा के संतुलन पर बल देता है। प्राणायाम और ध्यान के साथ मिलकर यह मानसिक शांति का अचूक मार्ग प्रशस्त करता है।

रसायनों पर आधारित दवाओं के लंबे समय तक सेवन से होने वाले साइड इफेक्ट्स से दुनिया त्रस्त है। प्रा.तिक औषधियों पर आधारित आयुर्वेद शरीर को बिना नुकसान पहुँचाए भीतर से मजबूत बनाता है।

वर्तमान चुनौतियाँ और समाधान

आज की युवा पीढ़ी आयुर्वेद को धीमा मानकर नजरअंदाज कर देती है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि आयुर्वेद रोग की जड़ पर प्रहार करता है, न कि केवल लक्षणों को दबाता है।

हमें इंस्टेंट रिलीफ की संस्ति से बाहर निकलकर स्थायी स्वास्थ्य की ओर मुड़ना होगा। सरकार और वैज्ञानिकों के प्रयासों से आज आयुर्वेद का मानकीकरण हो रहा है। साक्ष्यों पर आधारित यह चिकित्सा पद्धति अब आधुनिक लैब परीक्षणों की कसौटी पर भी खरी उतर रही है।

राजेश कुमार शर्मा, सम्पादक

प्रगतिशील दृष्टि से देखें फिल्मों में अभिव्यक्ति

इस दौर में भी मजबूत होती जाति प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समाज में वैमनस्य पैदा कर रही है। आए दिन कहीं न कहीं जाति के अपमान के मुद्दे पर हंगामा होता रहता है। सवाल यह है कि क्या एक पढ़े–लिखे समाज में इस तरह की मानसिकता उचित है? निश्चित रूप से एक पढ़े–लिखे समाज से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जा सकती। आलोचना होती है, भारतीय समाज अभी तक भी किताबों को पढ़ने और...

लीक से हटकर जो किताबें और फिल्में होती हैं, वे हमारे चेतना–तंतुओं को झकझोरने का काम करती हैं। ऐसी किताबें और फिल्में अनेक तरह के सवाल तो उठाती ही हैं, कई पारम्परिक धारणाओं को भी तोड़ती हैं। क्या हमारे समाज में जाति और धर्म के नाम पर असहिष्णुता और बढ़ रही है? क्या इस दौर में जाति और धर्म के नाम पर लोगों की भावनाएं कुछ ज्यादा ही आहत नहीं होने लगी हैं? ताजा मामला है 'घूसखोर पंडत' फिल्म का। हालांकि, अब सुप्रीम कोर्ट ने इस फिल्म का टाइटल बदलने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने विवेक से यह फैसला दिया है। इसलिए इस फैसले पर कोई सवाल नहीं है लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अलग इस मुद्दे पर कई सवाल खड़े होते हैं। एक फिल्म का टाइटल यदि किसी समाज की भावनाएं आहत कर दे तो यह सवाल तो उठेगा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी क्या हम एक प्रगतिशील समाज बना पाए हैं? एक काल्पनिक फिल्म और काल्पनिक किरदार यदि किसी समाज की भावनाएं आहत करने की हिम्मत रखता है तो यह सवाल भी उठेगा कि क्या हमारी भावनाएं भी तो काल्पनिक नहीं हो गई हैं। यह केवल ब्राह्मण समाज का मामला नहीं है। आए दिन किसी न किसी मुद्दे पर किसी जाति या किसी धर्म के लोगों की भावनाएं आहत होती रहती हैं। बहरहाल, अब इस फिल्म का टीजर और उससे जुड़ी सभी प्रमोशनल सामग्री नेटफ्लिक्स इंडिया के सोशल मीडिया अकाउंट और यूट्यूब से हटा ली गई हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस मामले में सूचना और प्रसारण मंत्रालय को नोटिस जारी कर दिया है। आयोग ने कहा है कि इस तरह के टाइटल और फिल्म सामग्री से न केवल समुदायों के बीच वैमनस्य बढ़ सकता है, बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था को भी खतरा हो सकता है। हमारे देश में विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग रहते हैं। सभी जातियों और ध र्मों के लोगों ने इस देश के विकास में अपना योगदान दिया है। जिस तरह अन्य जातियों और समाज के लोगों ने देश में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उसी तरह ब्राह्मण समाज के लोगों के योगदान को भी भूला नहीं जा सकता। इस फिल्म के टाइटल 'घूसखोर पंडत' पर कई लोगों ने आपत्ति जताई है।

उनका कहना है कि 'पंडित' शब्द आम तौर पर ब्राह्मण समाज और धार्मिक विद्वानों से जुड़ा होता है लेकिन इसके साथ घूसखोर शब्द जोड़ना गलत है। लोगों का मानना है कि इसमें ब्राह्मण समाज को गलत तरीके से दिखाया है। सवाल यह है कि अगर फिल्म में किसी एक जाति या समाज से जुड़ा कोई इंसान घूसखोर है और उसे घूसखोर या भ्रष्टाचारी दिखाया गया है और इसका टाइटल भी घूसखोर रखा गया है तो इससे उस पूरी जाति या समाज का अपमान कैसे हो गया? यदि एक चरित्र को उसकी जाति से जोड़कर घूसखोर लिखा गया है तो यह उस चरित्र के बारे में है न कि उस पूरे समाज के बारे में है। सवाल यह है कि इसे जानबूझकर एक जाति या समाज से जोड़कर क्यों देखा जा रहा है। इस दौर में हमारी भावनाएं इतनी जल्दी क्यों आहत होने लगती हैं? निश्चित रूप से यह समाज लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है लेकिन क्या एक पढ़े–लिखे समाज में हमारी मानसिकता भी बड़ी नहीं होनी चाहिए? क्या संकुचित मानसिकता से वास्तव में हम प्रगतिशील समाज के दायरे में आ पाएंगे? इस दौर में क्या हमारी समझ छोटी हो गई है या फिर हम जानबूझकर समझना नहीं चाहते हैं? कभी कोई किताब हमारी भावनाएं आहत कर देती है तो कभी कोई फिल्म हमारा अपमान कर देती है। क्या वास्तव में हम 21वीं सदी का समाज कहलाने लायक हैं? हर जाति और धर्म में अच्छे और बुरे लोग होते हैं। अगर अच्छाई और बुराई को हम किसी एक जाति या धर्म से जोड़कर देखने लगेंगे तो बहुत सारी समस्याएं पैदा हो जाएंगी। भ्रष्टाचार करने वाला इंसान किसी भी जाति या धर्म में हो सकता है। अगर किसी जाति या समाज का एक या कुछ इंसान भ्रष्टाचारी हैं तो इस आधार पर वह पूरा समाज भ्रष्टाचारी नहीं हो सकता। दरअसल, इस दौर में शिक्षा का प्रचार–प्रसार हुआ। यह समाज पहले से अधिक पढ़ा–लिखा और प्रगतिशील है। निःसंदेह, प्रगतिशील दौर में जाति कमजोर होनी चाहिए थी लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इस दौर में जाति और मजबूत हो गई है। जाति आधारित संगठन भी मजबूत हो रहे हैं। यही कारण है कि हर जाति अपने अपमान की बात करने लगी है। हमें यह समझना होगा कि किसी एक क्रियाकलाप से भला पूरी जाति का अपमान कैसे हो सकता है।

नये परिदृश्य में हसीना के प्रत्यर्पण का यक्ष प्रश्न

इसी नीति के तहत, दलाई लामा जैसे प्रमुख राजनीतिक शरणार्थियों को ऐतिहासिक रूप से संरक्षण दिया गया है। हालांकि, भारत 1951 के शरणार्थी कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। आपराधिक मामलों या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर विशिष्ट व्यक्तियों के प्रत्यर्पण या निर्वासन का उसका अपना इतिहास रहा है। वर्ष 1959 से भारत ने दलाई लामा को राजनीतिक शरण दे रखी है..

भारत ने आम तौर पर शरणार्थियों को वापस न भेजने (नॉन–रिफाउलमेंट) की नीति अपनाई हुई है। इसी नीति के तहत, दलाई लामा जैसे प्रमुख राजनीतिक शरणार्थियों को ऐतिहासिक रूप से संरक्षण दिया गया है। हालांकि, भारत 1951 के शरणार्थी कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। शेख हसीना, जो 5 अगस्त, 2024 को हिंसक प्रदर्शनकारियों से जान बचाते हुए ढाका से गाजियाबाद के लिए एक सीक्रेट फ्लाइट से भागी थीं, अभी फांसी से दूर हैं, और नई दिल्ली निर्वासन में रह रही हैं। शेख हसीना का सवाल विक्रम और बेताल की तरह मोदी सरकार के कंधे पर सवार है। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी को 'एआई समिट' में उपस्थित रहना था, इसलिए तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने ढाका, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेजा। बांग्लादेश की तरफ से उन्हें सौंपने के बार–बार अनुरोध के बावजूद भारत में हसीना की मौजूदगी पिछले 18 महीनों में दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच झगड़े की एक बड़ी वजह रही है। भले ही भारत, ढाका के साथ 'पोस्ट हसीना पार्टनरशिप' बनाने के लिए उत्सुक है, लेकिन कई जियोपॉलिटिकल एनालिस्ट ने कहा, कि वे ऐसे हालात की कल्पना नहीं कर सकते, जिसमें नई दिल्ली पूर्व प्रधानमंत्री को मौत की सजा का सामना करने के लिए बांग्लादेश को सौंप दे। ढाका रह चुके भारत के पूर्व हाई कमिश्नर पिनाक रंजन चक्रवर्ती ने कहा, 'नई दिल्ली उन्हें मौत की तरफ कैसे धकेल सकती है?' हसीना, बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं, वो शेख मुजीबुर रहमान की सबसे बड़ी बेटी हैं। शेख मुजीबुर रहमान ने 1971 में पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया था। शेख हसीना कोई पहली बार भारत में शरणागत नहीं हुई हैं। 15 अगस्त, 1975 को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की ढाका में उनके ध ानमंडी स्थित घर पर मिलिट्री तख्तापलट के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस हमले में उनकी पत्नी, तीन बेटे और दूसरे रिश्तेदार मारे गए थे। उनकी दो बेटियां संयोगवश बच

गयीं, जो घटना के समय जर्मनी में थीं। उनमें एक शेख हसीना और दूसरी शेखध रेहाना थीं। हसीना के पास अपने पति एमए वाजेद मियां के साथ भारत में शरण लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। वर्ष 1975 से 1981 तक वे सभी दिल्ली के पंडारा रोड में एक नकली पहचान के साथ रहे। लेकिन अब नरेंद्र मोदी सरकार, हसीना के 'निर्वासन पार्ट–टू' को लेकर दुविधा में है। हसीना ने 2022 के इंटरव्यू में मुजीबुर रहमान की हत्या के बाद के पलों को याद करते हुए कहा, 'मिसेज इंदिरा गांधी ने तुरंत जानकारी भेजी, कि वह हमें सुरक्षा और पनाह देना चाहती हैं।' दिल्ली आने के बाद, हसीना इंदिरा गांधी से मिलीं, तभी उन्हें अपने परिवार के 18 सदस्यों की हत्या के बारे में पता चला। हसीना ने 2022 में न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया, 'इंदिरा गांधी ने हमारे लिए सारे इंतजाम किए। मेरे पति के लिए नौकरी भी।' दिल्ली में हसीना पहले 56 रिंग रोड, लाजपत नगर–3 में रहती थीं, फिर दिल्ली के पंडारा रोड के घर में शिफ्ट हो गईं। छह साल बाद, 17 मई, 1981 को, हसीना बांग्लादेश लौटीं। वापसी के बाद देश पर कब्जा कर चुकी मिलिट्री सरकार के खिलाफ एक लंबी और मुश्किल लड़ाई की शुरुआत की। करप्शन के आरोपों में जेल के बावजूद, हसीना डटी रहीं। आखिरकार, 1996 में शेख हसीना सत्ता में आईं, और पहली बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। लेकिन उस कालखंड से इस समय अलग परिस्थितियां हैं। पीएम मोदी बांग्लादेश के सन्दर्भ में अपनी पूर्ववर्ती इंदिरा गांधी की राह पर चले जरूर, मगर इसके अंजाम का आकलन मोदी के रणनीतिकार सही से नहीं कर पाए। वर्ष 2013 में भारत–बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि हुई थी। और 2016 में इसमें बदलाव किया गया था, जो कम से कम एक साल की जेल की सजा वाले अपराधों के दोषी या अभियुक्तों की अदला–बदली की अनुमति देती है। इसमें आतंकवाद, ट्रैफिकिंग और ऑर्गनाइज्ड क्राइम जैसे अपराध शामिल हैं, लेकिन यदि कोई राजनीतिक कैदी है, तो उसके प्रत्यर्पण से मना करने की सहूलियत भी संधि में है। 11 पेज की संधि के अनुच्छेद 6–7 और 8 को ध्यान से पढ़ा जाये, तो शेख हसीना को आपराधिक धाराओं से भी छूट मिल जाती है। भारत इन्हीं धाराओं के आधार पर शेख हसीना के प्रत्यर्पण से मना करने की स्थिति में है। इस संधि पर हस्ताक्षर करने वाले तत्कालीन गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे और उनके समकक्ष डॉ. मोहिनुद्दीन खान आलमगीर अभी जीवित हैं। बहरहाल, 17 नवंबर, 2025 को 453 पेज के फैसले में, बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने शेख हसीना और दो सह–आरोपियों को दो अलहदा मामलों में मौत की सजा सुनाई थी। उन्हें पिछले साल 5 अगस्त को ढाका के चंखारपुल में छह निहत्थे प्रदर्शनकारियों की गोली मारकर हत्या करने के आरोप संख्या 4 के तहत मौत की सजा सुनाई गई थी। आरोप संख्या 5 के तहत, आरोपियों पर उसी दिन अशुलिया में छह छात्र प्रदर्शनकारियों को गोली मारने का आरोप था, जिनमें से पांच को बाद में जला दिया गया था, जबकि छठे को कथित तौर पर जिंदा रहते हुए आग लगा दी गई थी। पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई गई, जबकि पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल–मामून, जो सरकारी गवाह बन गए थे, को इस मामले में पांच साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। भारत का कहना है, कि वह पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बांग्लादेश के आग्रह की जांच कर रहा है। क्या भारत ने पहले कभी किसी राजनीतिक शरणार्थी का प्रत्यर्पण किया है? भारत ने आम तौर पर शरणार्थियों को वापस न भेजने (नॉन–रिफाउलमेंट) की नीति अपनाई हुई है।

फिलिप्स– रविंद्र की आंधी में उड़ा कनाडा, न्यूजीलैंड की सुपर 8 में शान से एंट्री

युवराज समरा की शानदार पारी निष्फल साबित हुई क्योंकि न्यूजीलैंड ने मंगलवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चल रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 31वें मैच में कनाडा को आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ, न्यूजीलैंड सुपर एट्स के लिए क्वालीफाई करने वाली छठी टीम बन गई, और कनाडा टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार के बाद दौड़ से बाहर हो गया। 174 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए, न्यूजीलैंड ने तीसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट का विकेट खो दिया। उन्होंने 10 गेंदों पर सिर्फ छह रन बनाए। उनके तुरंत बाद फिन एलन भी आउट हो गए, जिन्होंने दो चौकों और एक छक्के सहित सिर्फ आठ गेंदों पर 21 रन बनाए। इसके बाद रचिन

रविंद्र और ग्लेन फिलिप्स ने 72 गेंदों पर 146 रनों की अटूट साझेदारी की और कीवी टीम को सिर्फ 15.1 ओवर में आठ विकेट शेष रहते लक्ष्य तक पहुँचा दिया। फिलिप्स ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 36 गेंदों में 76 रन बनाए, जिसमें चार चौके और छह छक्के शामिल थे। रवींद्र ने भी 39 गेंदों में 59 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और चार चौके शामिल थे। मैच जिताने वाले प्रदर्शन के लिए फिलिप्स को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने फील्डिंग करते हुए तीन कैच भी पकड़े। इससे पहले, 19 वर्षीय समरा ने मात्र 65 गेंदों में 110 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और छह छक्के शामिल थे। इस पारी की बदौलत कनाडा ने न्यूजीलैंड के सामने 174 रनों का बड़ा लक्ष्य रखा। समरा ने टी20 विश्व कप में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज के रूप में पाकिस्तान के अहमद शहजाद का रिकॉर्ड तोड़ दिया। शहजाद ने 2014 के टी20 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाते समय 22 वर्ष की आयु के थे।

उनकी 110 रनों की पारी टी20 विश्व कप में किसी एसोसिएट देश के खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी है। उन्होंने अमेरिका के आरोन जेम्स को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने पिछले संस्करण में कनाडा के खिलाफ 94 रन नाबाद बनाए थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनते हुए, कनाडा ने समरा और कप्तान दिलप्रीत बाजवा (39 गेंदों में 36 रन) के साथ शुरुआत की, और दोनों ने पहले विकेट के लिए 116 रन जोड़े।

पाकिस्तान के खिलाफ जीत के हीरो ईशान किशन बोले- काम अभी खत्म नहीं हुआ है

भारत के स्टार विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन ने रविवार को टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच जिताने वाले शानदार प्रदर्शन के बाद कहा कि प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार सिर्फ उन्हें नहीं, बल्कि सभी भारतीय प्रशंसकों और पूरी टीम को समर्पित है। किशन ने कहा कि उन्होंने सरलता से खेला और पाकिस्तान के खिलाफ मैच को एक सामान्य मैच की तरह लिया, गेंद पर नजर रखी और विकेट और लक्ष्य का आकलन करने के बाद ही अपने शॉट खेले। उन्होंने घबराहट महसूस नहीं की और अपने साथियों के आत्मविश्वास को श्रेय दिया, लेकिन साथ ही कहा कि उनका काम अभी पूरा नहीं हुआ है और वह अगले मैच पर ध्यान देना चाहते हैं।

ईशान का टी20 में शानदार प्रदर्शन जारी रहा, उन्होंने पाकिस्तान की स्पिन गेंदबाजी को ध्वस्त करते हुए लगातार दूसरा टी20 विश्व कप अर्धशतक लगाया और रविवार को कोलंबो में भारत को 61 रनों से जीत दिलाई। साथ ही, विकेट के पीछे भी उन्होंने कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए, जिसमें खतरनाक उस्मान खान को स्टंप आउट करना भी शामिल था, जो भारतीय गेंदबाजों पर धीरे–धीरे पलटवार कर रहे थे। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में ईशान किशन ने कहा कि यह सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि उन सभी समर्थकों के लिए है जिन्होंने पूरे मैच के दौरान, पूरे टूर्नामेंट में हमारा साथ दिया, जब हम कड़ी तैयारी कर रहे थे। इसलिए इसका श्रेय सिर्फ मुझे नहीं, बल्कि पूरे भारत को जाता है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं बस सरल खेल रहा था, जैसा कि मैंने उस दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि यह सिर्फ एक और मैच है। आपको गेंद पर नजर रखनी होती है और अपने शॉट्स खेलने होते हैं, जिन पर आपको भरोसा हो, जो सही लग रहे हों। आपको विकेट का आकलन करना होता है, यह देखना होता है कि यह कैसा खेल रहा है, हमारे सभी साथियों के लिए अच्छा स्कोर क्या होगा, मुझे लगता है कि उन्होंने यह योजना बना रखी थी और इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिला। मैच से पहले या मैचों के बीच में किसी भी बात को लेकर कोई घबराहट नहीं थी। मैं बस सरल खेल रहा था और अपने शॉट्स खेल रहा था। नहीं, मुझे लगता है कि काम अभी खत्म नहीं हुआ है। इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं बहुत संतुष्ट हूं, हमें इसे भूलकर अगले मैच की ओर बढ़ना चाहिए। टॉस जीतकर पाकिस्तान ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। अभिषेक के शून्य पर आउट होने के बाद, ईशान की तूफानी 77 रनों की पारी और तिलक की शांत 25 रनों की पारी ने भारत को संभाला, लेकिन भारतीय टीम 126ध्4 पर सिमट गई, जिसमें उनके सेट बल्लेबाज और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या (0) का विकेट गिर गया। हालांकि, कप्तान सूर्यकुमार, शिवम और रिंकू ने मुश्किल परिस्थितियों में भी अपनी पारियों को बखूबी अंजाम दिया। भारत ने 175ध्7 का स्कोर बनाया, जिसमें साइम अयूब (3ध्25) पाकिस्तान के लिए सबसे सफल गेंदबाज रहे।

इमरान खान के लिए गावस्कर–कपिल भी आए साथ, 14 पूर्व क्रिकेट कप्तानों की पाकिस्तान सरकार से गुहार

पांच टेस्ट खेलने वाले देशों के चौदह पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तान सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री और विश्व कप विजेता कप्तान इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंताओं के मद्देनजर, जेल में बेहतर व्यवहार और चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने की अपील की है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चौपल द्वारा तैयार की गई यह याचिका मंगलवार दोपहर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सौंपी गई। इस पत्र पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर और कपिल देव के साथ–साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ, इयान चौपल, बेलिंडा क्लार्क और किम ह्यूजेसय इंग्लैंड के माइक एथर्टन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरली और डेविड गोवरय वेस्टइंडीज के क्लाइव लॉयडय और न्यूजीलैंड के जॉन राइट ने भी हस्ताक्षर किए हैं।

पूर्व कप्तानों ने लिखा कि उनके स्वास्थ्य से संबंधित हालिया रिपोर्टों – विशेष रूप से हिरासत में रहते हुए उनकी दृष्टि में आई चिंताजनक गिरावट – और पिछले ढाई वर्षों से उनकी कैद की स्थितियों ने हमें गहरी चिंता में डाल दिया है। उन्होंने आगे कहा कि एक साथी क्रिकेटर के रूप में, जो निष्पक्ष खेल, सम्मान और आदर के मूल्यों को समझते हैं, जो मैदान की सीमाओं से परे हैं, हमारा मानना घ्है कि इमरान खान जैसे कद के व्यक्ति को एक पूर्व राष्ट्रीय नेता और वैश्विक खेल हस्ती के रूप में गरिमा और बुनियादी मानवीय सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए।

चौपल ने कहा कि यह याचिका रावलपिंडी की अडियाला जेल में इमरान के बिगड़ते स्वास्थ्य की रिपोर्टों से प्रेरित थी, जहां उन्हें दो साल से अधिक समय पहले भ्रष्टाचार के आरोपों में कैद किया गया था। पत्र में आगे आग्रह किया गया कि हम पाकिस्तान सरकार से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि वह यह सुनिश्चित करे कि इमरान खान को उनकी कथित स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए उनकी पसंद के योग्य विशेषज्ञों द्वारा तत्काल, पर्याप्त और निरंतर चिकित्सा देखभाल मिले। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मानवीय और गरिमापूर्ण हिरासत की स्थिति सुनिश्चित की जाए, जिसमें करीबी परिवार के सदस्यों द्वारा नियमित मुलाकातें शामिल हों। बिना किसी अनुचित देरी या बाधा के कानूनी प्रक्रियाओं तक निष्पक्ष और पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित की जाए। क्रिकेट लंबे समय से राष्ट्रों के बीच एक सेतु रहा है। मैदान पर हमारा साझा इतिहास हमें याद दिलाता है कि स्टंप गिरने के साथ ही प्रतिद्वंद्विता समाप्त हो जाती है और सम्मान कायम रहता है। इमरान खान ने अपने पूरे करियर में इसी भावना को मूर्त रूप दिया। हम अधिकारियों से आह्वान करते हैं कि वे अब शालीनता और न्याय के सिद्धांतों को कायम रखते हुए इसका सम्मान करें।

भारतीय क्रिकेट में एक प्रमुख आवाज, लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर ने इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके साथ जो किया जा रहा है वह भयावह है। हम तब से दोस्त हैं जब वह वॉर्सेस्टरशायर के लिए एक विदेशी खिलाड़ी के रूप में क्वालीफाई करने की कोशिश कर रहे थे, न कि केवल मैदान पर प्रतिद्वंद्वी। इमरान खान के समर्थकों ने उनकी दाहिनी आंख की 85 प्रतिशत दृष्टि हानि और पारिवारिक और निजी चिकित्सकों तक सीमित पहुंच को तत्काल हस्तक्षेप के कारणों के रूप में बताया है।

तारिक रहमान के शपथ से पहले बांग्लादेश से आया भारत के लिए भड़काऊ बयान, दुनिया हैरान!

तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद के लिए शपथ लेने वाले हैं। लेकिन शपथ से पहले ही भारत और बांग्लादेश रिश्तों पर बड़ा तूफान खड़ा हो गया है। आपको बता दें कि तारिक रहमान के विदेश सलाहकार हुमायूं कबीर ने भारत के उस फैसले पर खुलकर ऐतराज जताया है जिसके तहत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण दी गई थी। कबीर ने साफ कहा है और साफ शब्दों में कहा है कि ढाका की अदालत हसीना को अपराधी करार दे चुकी है और अब बांग्लादेश में उनके लिए कोई भी जगह नहीं है। यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब 13वें संसदीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी कि बीएनपी ने जबरदस्त जीत दर्ज की है। दो तिहाई बहुमत के साथ सत्ता परिवर्तन तय किया है और अब नई सरकार अपने तेवर दिखा रही है। कबीर ने यहां तक कह दिया है कि शेख हसीना जैसी टेररिस्ट और उनकी पार्टी को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी भारत की है। सीधा संदेश यही है कि ढाका अब नई शर्तों पर बात करने वाला है। तो वहीं दूसरी तरफ विदेश नीति पर भी बड़ा बदलाव सामने आ रहा है। कबीर ने कहा है कि शेख हसीना सरकार के दौरान भारत से रिश्ते एकतरफा थे और देश को काफी नुकसान हुआ था। अब नई सरकार किसी एक देश पर निर्भर रहने वाली नीति से दूर रहेगी। भारत हो, चीन हो या कोई भी पड़ोसी देश संबंध संतुलित और राष्ट्र हित के आधार पर होने वाले हैं। हालांकि आपको बता दें कि उन्होंने यह भी कहा है कि भारत और बांग्लादेश पड़ोसी हैं और सहयोग इस समय जरूरी है। उन्होंने खुलासा किया कि तारिक रहमान और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बातचीत हो चुकी है और बातचीत काफी सकारात्मक हुई है। यानी कि सख्ती के साथ–साथ संवाद की लाइन भी खुली हुई है। बता दें कि तारिक रहमान ने खुद कहा है कि यह कानूनी प्रक्रिया पर निर्भर करता है। लेकिन बीएनपी के वरिष्ठ नेता पहले ही संकेत दे चुके हैं कि सरकार में आते ही भारत से प्रत्यार्पण की मांग की जाएगी। और आपको बता दें और याद दिला दें अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद 15 साल सत्ता में रही शेख हसीना को पद छोड़ना पड़ा था। 5 अगस्त 2024 को सत्ता से हटने के बाद वह भारत चली गई और नवंबर 2025 में ढाका की अदालत ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों में मौत की सजा सुना दी। उनकी पार्टी आवामी लीग को हालिया चुनावों में हिस्सा लेने से भी रोक दिया गया था। तस्वीर बिल्कुल साफ है। नई सरकार, नया तेवर मगर पुराने अध्याय का हिसाब अभी भी बाकी है और ऐसा ही लग रहा है।

सब **AI Summit** में लगे थे, तभी भारत के तगड़े एक्शन ने दुनिया हिलाया, 3 तेल टैंकर्स को बीच समुंदर से खींचकर किया जब्त

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने मुंबई के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में तेल की तस्करी के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अत्याधुनिक अभियान में तेल और तेल आधारित माल से लदे तीन विदेशी जहाजों को रोका गया और जब्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ये जहाज कथित तौर पर रूस और ईरान जैसे संघर्षग्रस्त देशों से सस्ता तेल प्राप्त कर रहे थे और उसे समुद्र के बीच में ही अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मोटर टैंकरों में स्थानांतरित कर रहे थे। इस तरीके से तस्कर तटीय देशों द्वारा लगाए गए करों और शुल्कों से बचते हुए भारी मुनाफा कमा रहे थे।

संदिग्ध जहाज और छिपी हुई पहचान

तीनों जहाजों, जिनकी पहचान स्टेलर रूबी, एस्फाल्ट स्टार और अल जाफजिया के रूप में हुई है, ने कथित तौर पर अपनी पहचान छिपाने के लिए अपने नाम और झंडे बदल लिए थे। हालांकि उनके आईएमओ नंबर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा पहले प्रतिबंधित किए गए जहाजों से मेल खाते थे, ईरान की राष्ट्रीय ईरानी तेल कंपनी (एनआईओसी) ने इन जहाजों से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया। अधिकारियों को संदेह है कि ये जहाज खुले समुद्र में अवैध तेल हस्तांतरण में शामिल थे और नियामक निगरानी से बच रहे थे।

ऑपरेशन का विवरण

5 फरवरी को, आईसीजी के जहाजों ने मुंबई से लगभग 100 समुद्री मील पश्चिम में तीन संदिग्ध जहाजों को रोका। एक विशेष बोर्डिंग टीम ने गहन निरीक्षण किया, जिसमें शामिल थे

इलेक्ट्रॉनिक डेटा सिस्टम की जाँच

जहाज के दस्तावेजों का सत्यापन

चालक दल से पूछताछ

जाँच में तस्करी के पूरे तौर–तरीकों का खुलासा हुआ।

अत्याधुनिक निगरानी से तस्करी नेटवर्क का खुलासा

तटरक्षक बल की प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी प्रणाली ने सबसे पहले भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के भीतर संदिग्ध रूप से संचालित एक मोटर टैंकर का पता लगाया। आगे की डिजिटल जांच और डेटा विश्लेषण से समुद्र में तेल आधारित माल के अवैध परिवहन में शामिल दो और जहाजों की पहचान करने में मदद मिली।

टीम इंडिया में वापसी की हुंकार! रणजी ट्रॉफी में मोहम्मद शमी ने 8 विकेट लेकर मचाया तहलका

मंगलवार को रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में मोहम्मद शमी ने तेज गेंदबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए जम्मू–कश्मीर को ध्वस्त कर दिया। इस प्रदर्शन को देखकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चयन समिति का ध्यान जरूर आकर्षित होगा। उन्होंने आठ विकेट लेकर (8ध्90) जम्मू–कश्मीर को धूल चटा दी। कल्याणी स्थित बंगाल क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में बंगाल की ओर से खेलते हुए शमी ने साबित कर दिया कि उनकी फिटनेस और लय अपने पुराने चरम पर लौट आई है। उनकी गेंदबाजी में अचूक सटीकता, लेट स्विंग और उनकी खास सीम गेंदबाजी का अनूठा संगम था, जिसने उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक लाल गेंद गेंदबाजों में से एक बना दिया है।

सुदीप कुमार घरामी की शानदार 146 रनों की पारी की बदौलत बंगाल ने अपनी पहली पारी में 328 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया और फिर वरिष्ठ खिलाड़ियों के भरोसे अपनी बढ़त को बरकरार रखा। दूसरे दिन, शमी ने जम्मू–कश्मीर को शुरुआती 13ध्3 पर समेट दिया और तीसरे दिन वापसी करते हुए निचले क्रम के बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया। उनके आंकड़े इतने प्रभावशाली हैं कि उनके राष्ट्रीय चयन पर फिर से बहस छिड़ने की संभावना है।

शमी ने जम्मू–कश्मीर के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को आउट किया, जहां उन्होंने सुबह की नमी का फायदा उठाया। इसके अलावा, अब्दुल समद (82) और कप्तान पारस डोगरा (58) की अगुवाई में मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने भी जोरदार वापसी की। शमी ने ही अहम विकेट लिए, ठीक उसी समय जब जम्मू–कश्मीर मैच में मजबूत स्थिति में दिख रहा था। यह प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आया है। 2023 वनडे विश्व कप के समापन के बाद से चोट और उसके बाद फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण टीम से बाहर रहे शमी की घरेलू क्रिकेट में वापसी धीमी गति से हुई है। सीजन की शुरुआत में उन्होंने गुजरात और सर्विसेज के खिलाफ पांच–पांच विकेट लिए थे, लेकिन यह 8 विकेट का प्रदर्शन अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को उनका सबसे कड़ा संदेश है।

भारत के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर में 2026 में कई महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज शामिल हैं, जिनमें इंग्लैंड का संभावित दौरा भी शामिल है। ऐसे में शमी की शानदार फॉर्म में वापसी भारतीय टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती है। घरेलू पिच पर लगातार तेज गति से गेंदबाजी करने और उछाल का लाभ उठाने

परमाणु डील पर झुका ईरान? खामनेई ने ट्रंप को दे दिया अब कौन सा नया ऑफर?

ईरान अमेरिका के साथ परमाणु समझौते पर अब झुकने को तैयार हो गया। हालांकि उसने कहा है कि इसके लिए अमेरिका को पहले प्रतिबंधों में ढील देनी होगी। अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंधों की बौछार की हुई है। हालांकि दोनों देशों ने ओमान की मध्यस्था में इनडायरेक्ट बातचीत जरूर की है। लेकिन अमेरिका और ईरान अब स्विट्जरलैंड में भी मिलने वाले हैं और ईरान ने अमेरिका के साथ परमाणु समझौते पर जो संकेत दिए हैं कि वो कुछ कदम पीछे हटा सकता है। ईरानी उप विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने भी कह दिया है कि उनका देश अमेरिका के साथ परमाणु समझौता करने के लिए उस पर विचार करने के लिए तैयार है। बशर्ते वाशिंगटन बैन हटाने पर चर्चा करने को तैयार हो जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका ईरान परमाणु समझौता तोड़ दिया था और इसके बाद उन्होंने ईरान के खिलाफ कई कड़े प्रतिबंध लगाए थे। अमेरिका ने पिछले साल ही ईरान पर परमाणु सुविधाओं पर जबरदस्त बमबारी की और इस समय अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत ईरान के पास जबरदस्त नजदीक से घेरा डाले हुए हैं। दरअसल एक इंटरव्यू में माजिद ने यह कह दिया कि अब जिम्मेदारी अमेरिका की है। उन्होंने कहा कि यह साबित करना है कि वह समझौता करना चाहते हैं। अब यह बात ईरान ने जाहिर करके गेंद अमेरिका के पाले में डाल दी है। अगर वह ईमानदार हैं तो मुझे यकीन है कि हम एक समझौते की राह पर जरूर आगे बढ़ेंगे। ईरान का यह बयान दोनों देशों के बीच जारी कूटनीतिक खींचतान के बीच में आया है।

अमेरिका और ईरान ने इस महीने ओमान की मध्यस्था में ही इनडायरेक्ट बातचीत शुरू की। दोनों देशों के वार्ताकार जिनेवा में एक बार फिर मिलकर के इसी विषय पर बातचीत आगे बढ़ाएंगे। और ईरानी उप विदेश मंत्री ने ओमान में अमेरिका के साथ हुई बैठक को कमोबेश पॉजिटिव दिशा में ही बताया। लेकिन यह भी कहा कि अभी कुछ भी कहना बहुत जल्दबाजी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बातचीत को पूरी तरह से पॉजिटिव बताया। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान जल्द परमाणु समझौता नहीं करता तो उसके खिलाफ सैन्य कारवाई के विकल्प पूरी तरह से खुले हुए हैं। उन्होंने बार–बार मध्य पूर्व में अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी की ओर इशारा भी किया।

प्रतिबंधित अवैध कटान की सूचना पर वन संरक्षक ने लिया संज्ञान,ट्रक सहित माल गया पकड़ा

मौके पर वन सुरक्षा सहित टीम ने ट्रक पकड़कर अवैध कटान पर कार्यवाही की,जिम्मेदार कर्मचारियों पर क्या होगी कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में वन विभाग के जिम्मेदारो पर लोगों द्वारा खड़ा किया जा रहा है अवैध कटान को लेकर बड़ा सवाल।लगातार प्रतिबंधित वृक्षों की कटान वन विभाग के जिम्मेदारो की मिली भगत से चारों ओर धड़ाधड़ हो रहा है जो चर्चा का विषय है लोगों मे कौतूहल पैदा कर रहा वन प्रभाग गोन्डा के अन्तर्गत पंडरी कृपाल वन रेंज क्षेत्र के ग्राम रूद्रगण नौसी में अवैध सागौन के लगभग 50 वृक्षों की कटान पर।इस सम्बन्ध में क्षेत्रीय वन दरोगा पर भी उंगली उठना लाजमी है क्योंकि जबरदस्त लाइन और शेयर के कारण उनका भी कलम नहीं चल पाता और जानकारी के बावजूद भी अन्जान बने रहना कार्यवाही के जद में आता है।अब सवाल है कि जब मामला बड़े अधिकारियों तक पहुंचता है तो वन दरोगा से लेकर वनाधिकारी तक हड़कंप मचना लाजमी है।फिर हाल अवैध सागौन कटान तो एक बानगी मात्र है इधर दो माह में कुछ नहीं तो लगभग 200 प्रतिबंधित वृक्षों की कटान हो चुकी हैं,लेकिन जिम्मेदार अपनी आंखें बन्द करके अपने जिम्मेदारी को अंजाम दे रहे हैं जो सरकार के राजस्व और कानून व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर रहा है।लोगों की बात करें तो क्या वन दरोगा के ऊपर कार्यवाही होगी या कमाऊ पूत प्यारा लागे वाली बात होगी।फिर हाल ग्राम रूद्रगण नौसी के कटान पर कई लोगों की नजरें गड़ चुकी है और लोगों ने वन संरक्षक देवीपाटन मंडल से लेकर वन दरोगा तक सूचना दे चुके हैं।सूचना के मुताबिक मौके पर वन सुरक्षा टीम और वन रेंज पंडरी कृपाल टीम के पहुंचने की जानकारी प्राप्त हुई है।अवैध कटान को लेकर प्रभागीय वनाधिकारी के दूरभाष पर कॉल किया गया परन्तु घंटी बचती रही उठा नहीं।इस सम्बन्ध में वन सुरक्षा प्रभारी अभिषेक से दूरभाष पर जानकारी करने हेतु कॉल किया गया तो बताया कि टीम का संचालन करते हुए मौके पर पहुंचकर 31 अवैध कटे सागौन और छुपाया गया ट्रक को पकड़ लिया गया है तथा कार्यवाही हेतु वन क्षेत्राधिकारी पंडरी कृपाल के सुपुर्द कर दिया गया है।जिम्मेदार वन दरोगा और कर्मचारियों पर क्या कार्यवाही होगी यह अभी अधर में है जब वनाधिकारी वन प्रभाग गोन्डा का मोबाइल ही नहीं उठेगा तो जानकारी मिलना सम्भव नहीं है।ष्स्थानीय लोगों की मानें तो क्या जिम्मेदार वन दरोगा और कर्मचारियों पर भी कार्यवाही होगी यह एक बड़ा सवाल है।

वन क्षेत्रधिकारी पंडरी कृपाल ने बताया कि मौके पर वन सुरक्षा टीम सहित पंडरी कृपाल रेन्ज के कर्मचारियों द्वारा छिपाये गये ट्क को पकड़ लिया गया और 31 कटे सागौन पर केश काटा जा रहा है तथा ट्क सहित अवैध कटान पर उचित और कठोर कार्यवाही की जायेगी।

चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप प्रसूता और नवजात की मौत परिजनों ने लगाये कई आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के नगर क्षेत्र स्थित जीवनदीप चिकित्सालय में इलाज के दौरान नवजात शिशु और प्रसूता की मौत का प्रकाश में सामने आया है।परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।वहीं अस्पताल प्रबंधन ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।स्थानीय जानकारी के अनुसार पयागपुर क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय पूजा सिंह को 6 फरवरी को तबीयत खराब होने पर जीवनदीप चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने स्थिति सामान्य बताते हुए उन्हें घर भेज दिया। इसके बाद 10 फरवरी तक सुबह–शाम जांच और इंजेक्शन के लिए अस्पताल लाया जाता रहा। बताया जाता है कि 10 फरवरी की रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें दोबारा अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां ऑपरेशन के माध्यम से डिलीवरी कराई गई। इस दौरान नवजात शिशु की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद

भी प्रसूता को अस्पताल में ही भर्ती रखा गया और उपचार जारी रहा। परिजनों का कहना है कि पिछले पांच दिनों से उनका इलाज चल रहा था, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। आरोप है कि इलाज के दौरान लापरवाही बरती गई, जिसके चलते प्रसूता की भी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और परिजन आक्रोशित हो उठे। मृतका के देवर रामसिंह ने बताया कि ऑपरेशन के बाद भी डॉक्टरों ने स्थिति सामान्य बताई थी, जबकि उनकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि समय रहते उचित उपचार नहीं दिया गया, जिसके कारण पहले नवजात और फिर प्रसूता की जान चली गई। परिजनों ने दोषी चिकित्सकों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।घटना की सूचना मिलते ही नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जानकारी जुटाते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है, तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और चिकित्सकीय दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं जीवनदीप चिकित्सालय की डॉक्टर सुवर्णा कुमार ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि मरीज की स्थिति पहले से ही गंभीर थी। चिकित्सकों द्वारा समुचित इलाज किया गया, लेकिन अत्यधिक जटिलता के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने कहा कि अस्पताल की ओर से किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई है। फिलहाल मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। परिजन न्याय की मांग पर अड़े हैं, जबकि प्रशासनिक स्तर पर जांच जारी है। नवजात शिशु और प्रसूता की मौत के मामले ने न केवल अस्पताल प्रबंधन, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। परिजनों के आरोपों के बीच अब स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

"बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन" जागरूकता रथ को डीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर से "बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन" विषयक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।इस अवसर पर डीएम ने कहा कि बाल श्रम एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जिसके उन्मूलन के लिए शासन एवं प्रशासन द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं।जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के विभिन्न विकासखंडों,ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों में जाकर आमजन को बाल श्रम के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों तथा बच्चों के पुनर्वासन संबंधी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) संशोधित अधिनियम, 2016 के अंतर्गत बाल श्रम कराना दंडनीय अपराध है। रथ के माध्यम से पंपलेट, पोस्टर एवं ऑडियो संदेशों के जरिए लोगों को जागरूक किया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और उसे सुरक्षित एवं स्वस्थ बचपन मिल सके।रथ को रवाना करने के उपरांत कलेक्ट्रेट सभागार में "बाल

श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन" विषय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग,पुलिस विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।डीएम ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि बाल श्रमिकों की पहचान कर उन्हें तत्काल श्रम से मुक्त कराया जाए तथा उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ते हुए पुनर्वासन योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि समय–समय पर संयुक्त निरीक्षण अभियान चलाकर होटल, ढाबा, कारखाना एवं अन्य प्रतिष्ठानों की जांच की जाए। आमजन से अपील की गई कि यदि कहीं भी बाल श्रम की सूचना मिले तो तत्काल संबंधित विभाग को सूचित करें। जिला प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि बाल श्रम के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा और बच्चों के अधिकारों की रक्षा हेतु कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, उपश्रमायुक्त देवीपाटन मण्डल गोण्डा अनुभव वर्मा, सहायक श्रमायुक्त मोहम्मद अब्बास, जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय उपाध्याय,श्रम प्रवर्तन अधिकारी सत्येंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ब्लॉक परिसर हरैय्या सतघरवा में हुआ किसान गोष्टी का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

ललिया/बलरामपुर। हरैया सतघरवा विकासखंड मुख्यालय शिवपुरा में विकासखंड विकास अधिकारी कृषि विभाग से संबंधित रामप्रसाद गन्ने की खेती तथा अरहर में लगने वाले कीट बारे में बताया गया। कृषि रक्षा

स्तरीय किसान मेला व गोष्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पप्पू सिंह रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसान देश की रीड होता है। भारत कृषि प्रधान देश है पैसे में किसने का देश में अहम योगदान रहता है।गोष्टी को संबोधित करते हुए सहायक पतंग के संबंध में विस्तार से जानकारी दिया गया।सहायक विकास अधिकारी कृषि रक्षा प्रेमपाल ने मशरूम की खेती पर चर्चा किया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिरुद्ध सिंह ने पशुओं को रोग से बचाव हेतु समय–समय पर टीकाकरण करने के संबंध में जानकारी दिया गया तथा पशुपालन इकाई के गोदाम प्रभारी संदीप कुमार ने उन्नतशील बी बीज की प्रजातियों तथा सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दिया। इस अवसर पर प्रधान बच्चू लाल यादव, कृषि विभाग के कर्मचारी संदीप कुमार वर्मा, अनिल कुमार कुबेर शरण वर्मा, रविन्द्र नाथ गौतम घनश्याम आदि मौजूद रहे।

छेड़खानी के संबंध में दर्ज मुकदमे के तहत वांछित अभियुक्त गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

फखरपुर/बहराइच। थानाध्यक्ष संजीव चौहान के कुशल नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दृ छेड़खानी के सम्बन्ध में मु0अ0सं0 436/25 धारा 65(1)/115(2)/351(3)/352/333 BNS व 3/4(2) पाक्सो एक्ट व 3(1) ध/3(2)V /3(2)VA SC/ST ACT थाना फखरपुर जनपद बहराइच से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त घ्यन्द्रजीत पुत्र शिवदास निवासी कोड़री दा0 खपुरवा थाना फखरपुर जनपद बहराइच को गिरफ्तार कर न्यायालय बहराइच के समक्ष पेश करने हेतु रवाना किया गया ।

धुरंधर ने रचा इतिहास, बनी भारत की सबसे लंबी ट्रेंड करने वाली फिल्म,छावा, पुष्पा 2, जवान को छोड़ा पीछे

आदित्य धर की धुरंधर को थिएटर में रिलीज हुए दो महीने से ज्यादा हो गए हैं। रणवीर सिंह की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और यह अब तक की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। यह शानदार कमाई जबरदस्त वर्ड ऑफ माउथ की वजह से मुमकिन हुई, जिससे धुरंधर हर हफ्ते इंडियन बॉक्स ऑफिस पर नंबर वन फिल्म बनी रही। यह फिल्म रिलीज होने के बाद से ही ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म बुकमायशो पर ट्रेंड कर रही है। असल में यह अब प्लेटफॉर्म पर सबसे लंबे समय तक ट्रेंड करने वाली इंडियन फिल्म है।

सैकनिल्क के मुताबिक, फरवरी के बीच तक धुरंधर बुकमायशो पर 59 दिनों तक ट्रेंड कर रही थी, जिसने 2025 की शुरुआत में विक्की कौशल की फिल्म छावा के 58 दिनों के ऑल–टाइम रिकॉर्ड को पार कर लिया। दोनों फिल्में काफी हद तक वर्ड ऑफ माउथ पर निर्भर थीं और दूसरे और तीसरे हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए, जिससे टॉप भारतीय फिल्मों की तुलना में थिएटर में ज्यादा समय तक टिकीं। स्त्री 2 वर्ड ऑफ माउथ से चलने वाली एक और ब्लॉकबस्टर है, जो 57 दिनों के साथ तीसरे स्थान पर है।

बुकमायशो के मुताबिक, ज्यादातर फिल्मों की टिकट बिक्री का आधा हिस्सा प्लेटफॉर्म पर होता है। प्लेटफॉर्म पर सबसे लंबे समय तक ट्रेंड करने वाली टॉप दस फिल्मों की लिस्ट में हाल की बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर और मलयालम की हिट फिल्में भी शामिल हैं। आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी धुरंधर एक स्पाई थ्रिलर है, जिसमें रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। साथ ही इसमें अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त भी हैं। फिल्म को ज्यादातर पॉजिटिव रिव्यू मिले और यह बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही। फिल्म ने दुनिया भर में 1300 करोड़ की कमाई की है, जिसमें भारत में रिकॉर्ड 800 से ज्यादा करोड़ शामिल हैं, जो किसी भी हिंदी फिल्म के लिए सबसे ज्यादा है। इसका सीक्वल, जिसका नाम धुरंधररू द रिवेंज है। वो 19 मार्च को रिलीज होने वाला है, जो पार्ट 1 के मुश्किल से तीन महीने बाद आ रही है। सीक्वल में मुख्य कलाकार अपने रोल फिर से करेंगे।

भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने ईओ को सौंपा 8 सूत्रीय ज्ञापन, समस्याओं के त्वरित निस्तारण का मिला आश्वासन

दैनिक बुद्ध का संदेश

पचपेड़वा। भारतीय किसान यूनियन (भानू) के पदाधिकारियों ने मंगलवार को नगर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर अधिशाषी अधिकारी (ईओ) अवनीश कुमार सिंह से मुलाकात की। तहसील उपाध्यक्ष आलम खान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगर कार्यालय पहुंचकर 8 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा और जनसमस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की। यूनियन ने नगर क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर निम्नलिखित बिंदु उठाए निर्माण कार्य में पारदर्शिता ठेकेदारों द्वारा नियम विरुद्ध बिना सूचना बोर्ड (Infra Board) लगाए कार्य करने पर रोक लगाई जाए और बोर्ड लगाना अनिवार्य हो। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सभी वार्डों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव हो और वार्ड–8 में आलम के घर तक नई सड़क

आलम बाबा मुहावर के घर से हाजी अब्दुल बारी के घर तक ध्वस्त व गंदगी से पटी नाली की मरम्मत कराई जाए। जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में हो रही देरी और गृहकर/जलकर के नाम पर उन्हें रोकने की प्रक्रिया बंद की जाए। सड़क व नाली निर्माण वार्ड–15 में ईदगाह के पास नाली निर्माण, वार्ड–13 में मंजूर का निर्माण और छूटी हुई पाइपलाइन बिछाने की मांग की गई। प्रकाश व्यवस्था बरगदवा और सिसहानियां बरगदहीं मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइट न होने से हो रही असुविधा को दूर किया जाए। ईओ की त्वरित कार्रवाई से पदाधिकारियों में उत्साह ज्ञापन लेने के तत्काल बाद अधिशाषी अधिकारी अवनीश कुमार सिंह ने सभी बिंदुओं का संज्ञान लिया और संबंधित पटल सहायकों व कर्मचारियों को मौके पर ही कार्यवाही के निर्देश दिए। ईओ की इस संवेदनशीलता और त्वरित कार्यशैली को देख किसान यूनियन के पदाधिकारी प्रसन्न नजर आए। इस अवसर पर तहसील उपाध्यक्ष आलम खान सहित यूनियन के अन्य प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर की जनता की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। ज्ञापन में उठाए गए सभी जायज बिंदुओं पर नियमानुसार जल्द से जल्द कार्य कराया जाएगा :
अवनीश कुमार सिंह, अधिशाषी अधिकारी

विधानसभा का घेराव करने जा रहे कांग्रेस नेता विनय सिंह को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में पूर्व घोषित विधानसभा घेराव करने जा रहे बहराइच से वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनय सिंह व उनके साथ कई जनों को भारी पुलिस बल ने बैरिकेडिंग पर ही गिरतार कर लिया है तथा उन्हें यूको गार्डन लखनऊ में दिन भर हिरासत में रखने के बाद देर शाम को रिहा कर दिया।इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी अविनाश पांडे,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, राज्य सभा सांसद प्रमोद तिवारी नेता विधानमंडल दल आराधना मिश्रा मोना राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर सहित तमाम सीनियर नेताओं के साथ भागीदारी सुनिश्चित किया।इस अवसर पर कांग्रेस नेता जिलाध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह इन्द्र कुमार यादव, मूलचंद राव शरीफ खान विजय पोरवाल अब्दुल सलाम प्रेम वर्मा जीतेन्द्र सिंह अनिल सिंह हमजा शाहिद सहित कई लोगों ने गिरतारी दिया।

निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप आयुष्मान कार्ड के प्रगति में लायी जाये तेजी : जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने मंगलवार को विकास भवन स्थित पंचायत रिसोर्स सेंटर में प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं ग्राम विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वी.त आवासों का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराया जाए तथा पात्र लाभार्थियों के देयकों का भुगतान समय से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास योजना के नाम पर कोई बिचौलिया अथवा अन्य व्यक्ति लाभार्थियों से धनराशि की मांग करता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों को समय से आवास उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देशित किया निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान पर नाराजगी जताई। उन्होंने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं ग्राम विकास अधिकारियों के द्वारा आवास निर्माण की धीमी प्रगति निर्देश दिए कि संबंधित कर्मचारियों को नोटिस जारी की जाये और वेतन भुगतान पर रोक लगाने इस दौरान जिलाधिकारी ने आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा की, समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आपस में समन्वय स्थापित करते हुए आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में तेजी लाये, अन्यथा की दशा में सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने भी विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, सी0एम0ओ0 डॉ0 पंकज राय, जिला पंचायत राज अधिकारी नामित शरण, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, परियोजना निदेशक (डीआरडीए) तथा संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत विकास योजना विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण हुआ संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। कर्मा ब्लॉक सभागार में पंचायती राज विभाग

द्वारा मंगलवार को राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत विकास योजना विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें ग्राम प्रधान ,पंचायत सहायक ,सचिव व सदस्य शामिल हुए कार्यक्रम का शुभारंभ एडियो आईएसबी अनंत सिंह व वरिष्ठ लिपिक निसार अहमद ने दीप प्रज्वलित करके किया तत्पश्चात प्रशिक्षक रोहित कुमार त्रिपाठी ,विनय कुमार चौबे एवं संजु कुशवाहा ने क्रम –क्रम से ग्राम पंचायत विकास योजना,सतत विकास लक्ष्य आदि बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा किया संजू कुशवाहा ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय विकास कार्यों में ग्राम पंचायत विकास योजना की कार्य प्रणाली को बढ़ावा देना प्रमुख लक्ष्य है सतत विकास लक्ष्य के 9 थीमों में महिला भागीदारी विशेष रूप से होनी चाहिए जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा इंटिको प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आए हुए प्रतिभागियों के नाश्ते व भोजन की समुचित व्यवस्था की गई । मौके पर एजेंसी के सहयोगी संचालक अजय कुमार,विवेक मिश्रा, दिवाकर समेत सैकड़ो प्रतिभागी उपस्थित रहे।

गन्ना लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली खाई में पलटी, बड़ा हादसा टला

सीतापुर। संदना कस्बे के बरताल मोड़ पर पूर्णागिरी धर्म कांटे के पास गन्ना लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। गोपालपुर भट्ठा निवासी रिंकू रामगढ़ चीनी मिल गन्ना लेकर जा रहे थे। हादसे के बाद मार्ग पर यातायात बाधित हो गया और स्कूली बच्चों व राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ी। ट्रॉली पलटने से गन्ना खाई में बिखर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व स्थानीय लोगों ने दूसरे ट्रैक्टर की मदद से ट्रॉली सीधी कर मार्ग सुचारु कराया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पीडब्ल्यूडी ने सड़क मरम्मत का आश्वासन दिया है।

सुप्रीम कोर्ट की जीत पर अनुदेशकों ने बीएसए कार्यालय में मनाई खुशी

सीतापुर। सुप्रीम कोर्ट में मिली जीत के बाद परिषदीय अनुदेशक उत्थान समिति की कार्यकारिणी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय पहुंचकर खुशी जाहिर की। कार्यकारिणी सदस्यों ने बीएसए व कार्यालय कर्मचारियों को मिठाई खिलाकर ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया। जिलाध्यक्ष प्राची मिश्रा ने बताया कि लंबे संघर्ष के बाद अनुदेशकों को यह बड़ी सफलता मिली है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय अनुदेशकों के भविष्य को सुरक्षित करने वाला है। उन्होंने कहा कि इसी खुशी को साझा करने और अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए सभी सदस्य एकत्र हुए हैं। इस दौरान अनुदेशकों की विभिन्न समस्याओं से भी अधिकारियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में महामंत्री अतुल यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुरोध वर्मा, उपाध्यक्ष खुशबू सिंह, संगठन सचिव निशात फातिमा, महासचिव पंकज वर्मा, मो. रिजवान सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

नैमिषारण्य धाम में कथा श्रवण है दिव्य फलदायी–इंद्रेश जी

सीतापुर। भू–वैकुंठ कहे जाने वाले नैमिषारण्य धाम में आयोजित भव्य श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस पर सुप्रसिद्ध कथाव्यास इंद्रेश जी महाराज ने कहा कि इस पावन भूमि पर कथा श्रवण अत्यंत दिव्य और फलदायी है। हनुमान गढ़ी कथा प्रांगण में बड़े महंत बजरंग दास के सानिध्य व संत नंद किशोर नंदू की गरिमामयी उपस्थिति में कथा का शुभारंभ हुआ। कथाव्यास ने कहा कि वेद, शास्त्र और पुराणों की परंपरा से पावन इस धरा पर कथा सुनना ईश्वर की विशेष कृपा से ही संभव होता है। उन्होंने बताया कि नैमिषारण्य में 88 हजार ऋषि–मुनियों की तपोभूमि और 33 करोड़ देवी–देवताओं का निवास माना जाता है, इसलिए यहां अधिक से अधिक प्रभु नाम का स्मरण करना चाहिए। कथा के अंत में आयोजन संकल्पी बजरंग दास, सुभद्रा, सीता मिश्रा, दिनेश मित्तल, अनिल चौधरी, नितिन शर्मा, अशोक अग्रवाल व समिति बंसल ने व्यास पीठ की आरती उतारी। यह आयोजन 16 से 22 फरवरी तक हनुमान गढ़ी कथा परिसर में चलेगा, जिसमें देश–विदेश से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

तंबौर में महाशिवरात्रि पर भव्य देवी जागरण, पूरी रात गूंजे भक्ति गीत

सीतापुर। कस्बे में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर माँ भगवती सेवा समिति के तत्वावधान में देवी माता मंदिर प्रांगण में विशाल एवं भव्य देवी जागरण का आयोजन किया गया। जागरण के लिए बनाए गए विशाल मैदान में माँ भगवती की आकर्षक झांकी सजाई गई। विधि–विधान से पूजा–अर्चना के उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत माँ पार्वती के पुत्र भगवान गणेश की वंदना से हुई। इसके बाद भजनों की श्रृंखला आरंभ हुई, जिस पर श्रद्धालु देर रात तक तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे। शाहजहांपुर से आई विंध्याचल जागरण पार्टी ने पूरी रात अपने सुरों से भक्ति रस की अविरल धारा बहाई। जागरण में प्रस्तुत भजनों और मनमोहक प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव–पार्वती, राधा–कृष्ण और गणेश जी सहित विभिन्न झांकियों का सुंदर प्रदर्शन भी किया गया, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुनील वर्मा, जय कुमार वर्मा, राजकिशोर कनौजिया, संयोग सिंह, अमित सिंह, गंगा वर्मा, मनोज नाग, बृजमोहन गुप्ता सहित भारी संख्या में महिला–पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

आगामी त्योहारों व बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत पुलिस महानिरीक्षक नें की समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आर. पी. सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, विंध्याचल परिक्षेत्र, मीरजापुर के मंगलवार को जनपद आगमन पर पुलिस लाइन चुर्क में उन्हें सलामी गार्द द्वारा सलामी दी गई, जिसे स्वीकार करते हुए गार्द का अभिवादन किया। तत्पश्चात प्रशासनिक भवन, पुलिस लाइन चुर्क में आगामी होली/रमजान, बोर्ड परीक्षा, अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था, बजट व्यय, यक्ष एप के प्रभावी उपयोग एवं साइबर अपराध की रोकथाम के संबंध में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता पुलिस महानिरीक्षक द्वारा की गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा सहित समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष, प्रतिसार निरीक्षक, एलआईयू एवं समस्त शाखा प्रभारीगण उपस्थित रहे। बैठक में होली एवं रमजान माह की तैयारीरू– संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी क्षेत्रों की पहचान कर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये गये तथा शांति समिति की बैठकें आयोजित कर पुलिस–जन संवाद सु.ढ़ करने पर बल सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को सक्रिय रखते हुए अफवाहों/भ्रामक सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश। पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, फुट पेट्रोलिंग, बाइक पेट्रोलिंग एवं रात्रि गश्त बढ़ाने बोर्ड परीक्षा (कक्षा 10 व 12) सुरक्षा व्यवस्था – परीक्षा केन्द्रों का पूर्व निरीक्षण एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने प्रश्नपत्रों की सुरक्षित ढुलाई एवं स्ट्रांग रूम की निगरानी हेतु विशेष प्रबंध नकल माफियाओं/असामाजिक तत्वों पर प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही। परीक्षा अवधि में यातायात व्यवस्था सुचारु रखने हेतु समुचित प्रबंधन के निर्देश दिये गये यक्ष एप के प्रभावी उपयोग संबंधी निर्देश जनपद के समस्त थानों पर यक्ष एप के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं का त्वरित सत्यापन एवं आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश बीट पुलिस अधिकारियों को यक्ष एप पर नियमित अपडेट दर्ज करने एवं फीडबैक प्रणाली को सु.ढ़ करने हेतु निर्देशित किया गया। एप के माध्यम से अपराधियों, संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों की निगरानी को प्रभावी बनाने पर बल दिया गया त्योहारों एवं परीक्षाओं के दौरान आमजन को सुरक्षित, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक तकनीक (यक्ष एप) एवं साइबर अपराध नियंत्रण तंत्र को प्रभावी बनाते हुए पारदर्शी एवं जवाबदेह पुलिसिंग सुनिश्चित की जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बरवे झोझवां महलपुर मार्ग गढ्ढों में तब्दील

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरवे गाँव से

झोझवां महलपुर चौन बभनी सड़क तक जोडने वाला संपर्क मार्ग गढ्ढों में तब्दील हो गई है। बताया गया कि झोझवां गाँव से बरवे तक लगभग 3 किलोमीटर सड़क टूटकर खराब हो गई है। तथा बड़े बड़े सोलिंग पत्थरों से होकर राहगीरों को गुजरना पड़ता है। इस संपर्क रोड़ का निर्माण लगभग दस वर्ष पूर्व लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस संपर्क मार्ग का मरम्मत पुनः हो जाता तो ग्रामीणों को यातायात में सहुलियत होता तथा राहगीर गिरकर चोटहील नहीं होते झोझवां गाँव से अन्य गावों में जाने के लिए इसी संपर्क रोड़ से होकर गुजरना पड़ता है गाँव से बभनी सागोबांध दुध्धी म्योरपुर सनावल छत्तीसगढ़ को जोडता है। ग्रामीणों में जदुन्नदन बुध्दिनरायन जमूना शिवबालक सुर्दशन यादव भगवान दास पवन यादव सम्बन्धित का ध्यान आकर्षित कराते हुए सड़क मरम्मत करने की मांग की है।

संगठन से ही समाज की नींव होगी मजबूत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत मधुबन के बरहपान तिराहे पर मंगलवार को बनवासी सेवा आश्रम के कार्यकर्ताओं का संविधान यात्रा पहुंचा और बैठक का आयोजन कर शिक्षा,स्वास्थ्य और समता ,को लेकर चर्चा की गई। यूवा समाज कर्मी और वक्ता राकेश कुमार, मनोज,फूलवंती ने कहा कि शिक्षा ही मनुष्य जीवन का आधार है।इसके बुते ही हम दुनियां को समझ और परख सकते है।जल जंगल जमीन के सरंक्षण का आह्वान करते हुए उक्त वक्ताओं ने क्षेत्र के जंगल का इतिहास की जानकारी दी और बताया कि जंगल जड़ी बूटी और बेशकीमती पेड़ो के लिए मशहूर था यहां शेर और चिता खुले आम घुमाते थे।आज जंगल नदारत होने लगे है। हमे हर हाल में जंगल संरक्षित करना होगा।और बिना संगठन के यह संभव नहीं है। चंद्रावती , ने संविधान के मूल तत्वों की जानकारी दी और कहा कि संविधान हमे स्वतंत्र जीवन जीने ,के साथ धर्म संस्.ति,और बिना भेदभाव के समता मूलक समाज निर्माण का अधिकार देता है।

पॉक्सो एक्टः दोषी विजय उर्फ टीपू साहनी को 20 वर्ष की कठोर कैद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करीब 3 वर्ष 11 माह पूर्व 10 वर्ष के नाबालिग लड़के के साथ हुए अप्रा.तिक दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए पॉक्सो एक्ट में दोषसिद्ध पाकर दोषी विजय उर्फ टीपू साहनी को 20 वर्ष का कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर 35 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर 2 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। जबकि अर्थदंड की धनराशि में से 20 हजार रूपये पीड़ित को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक चोपन थाना क्षेत्र निवासी पीड़ित के पिता ने 21 मार्च 2022 को चोपन थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसके 10 वर्ष के नाबालिग बेटे को 20 मार्च 2022 को शाम 7 बजे विजय उर्फ टीपू साहनी पुत्र बाले साहनी निवासी कुरहुल, थाना चोपन, जिला सोनभद्र ने चना के खेत में बुलाकर अप्रा.तिक दुष्कर्म किया। बेटे ने घर आकर इसकी जानकारी अपनी मां को दिया, उसके बाद उसे भी बताया, तब सूचना दे रहा हूं। इस तहरीर पर चोपन पुलिस ने अप्रा.तिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट व एससी/एसटी एक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्को को सुनने, 8 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर पॉक्सो एक्ट में दोषी विजय उर्फ टीपू साहनी (27) वर्ष को 20 वर्ष की कठोर कैद व 35 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 2 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। जबकि अर्थदंड की धनराशि में से 20 हजार रूपये पीड़ित को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी व नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

रिहंद बांध से जुड़े नाले में डूबने से महिला और मासूम बच्ची की मौत, 4 घंटे बाद बरामद किए शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पिपरी थाना क्षेत्र के बेलवादह में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई। गांव निवासी राहुल अपनी पत्नी उषा (24 वर्ष) और भतीजी रिंकी के साथ रिहंद बांध से जुड़े एक छोटे नाले को ट्यूब के सहारे पार कर रहे थे। बताया जा रहा है कि नाले में इस समय पानी भरा हुआ था और काफी मात्रा में घास भी जमा थी। क्षेत्र में नाला पार करने के लिए कोई सुरक्षित पुल या वैकल्पिक रास्ता नहीं होने के कारण ग्रामीण अक्सर ट्यूब के सहारे ही आवागमन करते हैं। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से उषा और रिंकी ट्यूब से फिसलकर गहरे पानी में डूब गईं। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से देर शाम तक दोनों की तलाश कराई गई, लेकिन अंधेरा और पानी में घनी झाड़ियों के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना के बाद पूरे गांव और आसपास के इलाकों में अफरा–तफरी का माहौल रहा और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। मंगलवार सुबह वाराणसी से एसडीआरएफ की 9 सदस्यीय टीम सब इंस्पेक्टर शहंशाह कटियार के नेतृत्व में करीब 10 बजे घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद सर्च ऑपरेशन शुरू किया और करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर लगभग 2 बजे पानी के अंदर झाड़ियों में फंसे महिला और बच्ची के शव बरामद कर लिए। शव मिलने के बाद मौके पर मौजूद परिजनों में कोहराम मच गया। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नाले पर जल्द से जल्द पुल या सुरक्षित रास्ते की व्यवस्था कराई जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

सड़क दुर्घटना मे घायल पेलोडर ऑपरेटर की इलाज के दौरान मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र/शक्तिनगर। बीते 13 फरवरी की शाम बीना बस स्टैंड पर बाइक के धक्के से गंभीर रूप से घायल 30 वर्षीय युवक की वाराणसी बीएचयू ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। बीना क्षेत्र के चंदुआर निवासी जवाहिर पुत्र बुधराम एनसीएल ककरी खदान में एक निजी कंपनी में पेलोडर ऑपरेटर के पद पर तैनात था। ड्यूटी करके शुक्रवार शाम अपने घर आ रहा था कि बीना बस स्टैंड के समीप मुख्य मार्ग पर तेज रतार चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे जवाहिर के सर, कान व नाक मे गंभीर चोट आयी थीं। आनन फानन मे लोगों नें बीना अटलअस्पताल, बैढ़न ट्रामा सेंटर के बाद वाराणसी बीएचयू के लिए रेफर कर दिया गया।जहां जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे जवाहिर की पांचवें दिन मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक जवाहिर का दो पुत्र और एक पुत्री है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित | आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बॉक्स ऑफिस ओ रोमियो का धमाल, शाहिद कपूर की फिल्म ने इतना कलेक्शन

विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। शाहिद कपूर द्वारा अभिनीत इस फिल्म ने दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल की है। इसी के साथ शनाया कपूर और आदर्श गौरव की थ्रिल फिल्म तू या मैं ने भी बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दी जिसे ठीक–ठाक प्रतिक्रिया मिली है। वीकेंड पर तीसरे दिन कमाई के मामले में किसका दबदबा कायम रहा है? देखिए दोनों फिल्मों का ताजा कलेक्शन।

सैकनिल्क के मुताबिक, शाहिद की बहुप्रतीक्षित फिल्म ओ रोमियो ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 8.5 करोड़ रुपये के साथ शुरुआत की थी। दूसरे दिन 12.65 करोड़ के साथ इसने अपना दबदबा बनाया, लेकिन तीसरे दिन कमाई में गिरावट देखने को मिली है। फिल्म ने रविवार को 9 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जो दूसरे दिन के मुकाबले कम है। इस हिसाब से 3 दिनों के अंदर ओ रोमियो ने कुल 30.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

उधर शनाया और आदर्श की फिल्म तू या मैं को जोर का झटका जोरों के साथ लगा है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने तीसरे दिन, यानी रविवार को सिर्फ 75 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 6 लाख रुपये के साथ खाता खोला था, जबकि दूसरे दिन 1.45 करोड़ रुपये कमाए थे। इसके बाद फिल्म की कुल कमाई 2.80 करोड़ रुपये हुई है। कुल मिलाकर बिजॉय नांबियार द्वारा निर्देशित यह फिल्म फ्लॉप होने को है।

शाहिद कपूर ने फर्जी 2 पर दिया सबसे बड़ा अपडेट, बोले– इसके लिए बहुत उत्साहित हूं

शाहिद कपूर इस वक्त हालिया रिलीज फिल्म ओ रोमियो को लेकर चर्चाओं में घिरे हैं। यह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने में कामयाबी हासिल कर रही है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया

है। वहीं कई फैंस शाहिद की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज फर्जी के दूसरे सीजन को लेकर उत्साहित दिख रहे हैं, क्योंकि अभिनेता ने कुछ दिन पहले ही सीरीज से जुड़ी आधिकारिक पोस्ट साझा की थी। अब उन्होंने खुद फर्जी 2 को लेकर सबसे बड़ा अपडेट दे डाला है।

शाहिद ने पुष्टि की है कि वह बहुत जल्द फर्जी 2 की तैयारी में जुट रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं पहले ही कुछ बिल्कुल अलग तरह की भूमिका में आ चुका हूं। मैं फिलहाल कॉकटेल 2 की शूटिंग कर रहा हूं। मैंने ओ रोमियो की शूटिंग खत्म होते ही इसकी शूटिंग खत्म कर दी थी। अब जब ओ रोमियो रिलीज हो चुकी है, तो मैं फर्जी 2 की शूटिंग शुरू करूंगा, जिसके लिए बहुत उत्साहित हूं। शाहिद ने आगे कहा, मुझे अलग–अलग तरह की भूमिकाएं निभाना पसंद है, इससे एक अभिनेता के तौर पर खुद को तरोताजा करने में मदद मिलती है। इससे पहले सीरीज के निर्देशक राज एंड डीके ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, दूसरा दौर शुरू हो गया है। साथ में खूब सारे नोटों की तस्वीर साझा की थी। बता दें, अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज फर्जी 2023 में आई थी जिसमें विजय सेतुपति, राशि खन्ना, केके मेनन जैसे सितारे थे।

महिलाओं और क्वीर कहानियों को सपोर्ट करना सही लगता है : श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने प्रोड्यूसर के रूप में महिलाओं पर आधारित और क्वीर कहानियों को सपोर्ट करने का फैसला किया है, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह सही है और इस काम में उन्हें

खास महसूस होता है। एक आर्टिस्ट के तौर पर यह उनके लिए एक बड़े मकसद का हिस्सा है। श्वेता ने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है।

इस फिल्म में तिलोत्तमा शोम मुख्य भूमिका में हैं और यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जो इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता खुद भी अभिनय कर रही हैं। श्वेता पहले भी क्वीर प्ले कॉक को प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो माइक बार्टलेट की ओलिवर अवॉर्ड विनर ड्रामा है। कई शहरों में ये ड्रामा प्ले हुआ और दर्शकों से इसे शानदार रिस्पॉन्स मिला।

अभिनेत्री ने बताया, मेरे लिए यह बहुत पर्सनल है। अगर हम समाज में कोई खास बदलाव देखना चाहते हैं, तो हमें खुद इसका हिस्सा बनकर शुरुआत करनी होगी। महिलाओं और क्वीर लाइफ की कहानियां हमेशा से मौजूद रही हैं, लेकिन उन्हें वह जगह और सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं। अब जब मुझे चुनने और कुछ बनाने का मौका मिला है, तो मुझे इसका सही इस्तेमाल करना है।

वह चाहती हैं कि यह कहानी दर्शकों को जानी–पहचानी और खास लगे। उनका मानना है कि क्वीर कहानियां असरदार होने के लिए जोरदार या सनसनीखेज नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया, कभी–कभी ये कहानियां कोमल और रोजमर्रा की होती हैं। वे हमेशा खुद को जाहिर नहीं करतीं, लेकिन आपके साथ रहती हैं। मैं इसी तरह के काम से जुड़ना चाहती हूं।

श्वेता ने आगे कहा, यह वह रास्ता लगता है जिस पर मैं चलना चाहती हूं। महिलाओं पर आधारित विषयों को सपोर्ट करना, क्वीर आवाजों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदार रहना। यह सही लगता है और मेरे लिए एक आर्टिस्ट के तौर पर घर जैसा और बड़े मकसद का हिस्सा है। अभिनेत्री जल्द ही मिर्जापुर–द मूवी में नजर आएंगी, जो 4 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी के साथ पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु, रसिका दुग्गल समेत पुराने और नए कलाकार शामिल हैं।

नई रिलीज फिल्मों के आगे भी मजबूती दिखा रही मर्दानी 3, तीसरे वीकेंड पर भी कमा डाले करोड़ों

रानी मुखर्जी की पावर पैक्ड परफॉर्मेंस वाली श्मर्दानी 3य ने बॉक्स ऑफिस पर दो हफ्तों तक अच्छा परफॉर्म किया. यहां तक कि सनी देओल की बॉर्डर 2 के आगे भी इस फिल्म ने खूब दम दिखाया और अच्छी कमाई कर डाली. हालांकि तीसरे वीकेंड पर नई रिलीज फिल्मों से कंप्टीशन के चलते इसकी कमाई में थोड़ी गिरावट आई है. चलिए यहां जानते हैं मर्दानी 3य ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे संडे को कितना कलेक्शन किया है.

रानी मुखर्जी की श्मर्दानी 3य को दर्शकों ने खूब प्यार दिया. लेकिन श्ओ्यरोमियोय और श्तू या मैंय जैसी फिल्मों की रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर कॉम्पिटिशन बढ़ने से रानी मुखर्जी के इस प्रोजेक्ट की बिक्री पर असर पड़ा है. लेकिन ये अब भी करोड़ में ही कमाई कर रही है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मुखर्जी की श्मर्दानी 3य ने भारतीय थिएटर्स में अपने तीसरे रविवार को 1.05 करोड़ जमा किए हैं. फिल्म ने पहले हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर 26.3 करोड़ रुपये कमाकर अच्छा परफॉर्म किया था, लेकिन दूसरे हफ्ते में कलेक्शन में गिरावट आई और फिल्म ने सिर्फ 14.6 करोड़ रुपये कमाए. तीसरे वीकेंड में अब तक कुल 3.3 करोड़ रुपये की कमाई होने के साथ, फिल्म की कुल कमाई 44.20 करोड़ रुपये हो गई है.

44.20 करोड़ की कमाई के साथ, मर्दानी 3 भारतीय बॉक्स ऑफिस पर रानी मुखर्जी की छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है. पांचवें नंबर पर आने के लिए इसे सिर्फ 30 लाख और चाहिए, क्योंकि कभी अलविदा ना कहना 44.5 करोड़ के नेट कलेक्शन के साथ पांचवीं पोजिशन पर है. श्मर्दानी 3य ये उपलब्धि आज, 18वें दिन आराम से हासिल कर लेगी और उम्मीद है कि ये बहुत जल्द, हिचकी (46.17 करोड़) को पीछे छोड़कर चौथे नंबर भी पहुंच जाएगी रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस रविवार मर्दानी 3 की कुल हिंदी ऑक्यूपेंसी 18.29त्न थी. इस बीच, रिपोर्ट के मुताबिक, मर्दानी 3 का अभी का ग्रॉस टोटल कलेक्शन 52.25 करोड़ रुपये है. इंटरनेशनल मार्केट से अनुमानित 13.25 करोड़ रुपये के साथ, दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का ग्रॉस टोटल कलेक्शन अनुमानित 65.5 करोड़ रुपये हो गया है.

डाइट पर हैं तो बनाकर खाएं ये 5 तरह के सलाद, मिलेगा पोषण और बढ़ेगी ताकत

सलाद एक सेहतमंद खाना है, जो किसी भी भोजन का हिस्सा बन सकता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ–साथ फाइबर और विटामिन से भरपूर होता है, जो पाचन को ठीक रखता है और शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को भी बढ़ा सकता है। आज हम आपको 5 ऐसे सलाद की रेसिपी बताने वाले हैं, जिन्हें बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और ये पोषण और ताकत का भंडार होते हैं। इन्हें डाइट के दौरान खाया जा सकता है।

खीरे और पुदीने का सलाद

इसे बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को धो कर छीलें, फिर उसे पतला–पतला काटें। अब एक कटोरे में खीरे के साथ बारीक कटी पुदीने की पत्तियां, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। इसके बाद इस सलाद में दही और जैतून का तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। आखिर में इस पर थोड़ा–सा काला नमक डालकर परोसें। इस सलाद का स्वाद ताजगी भरा होता है और यह गर्मियों में ठंडक का अहसास कराता है।

मूली और गाजर का सलाद

मूली का सलाद बनाने के लिए सबसे पहले मूली को धो कर छीलें, फिर उसे कद्दूकस कर लें। अब गाजर को भी धो कर छीलें और उसे कद्दूकस करके मूली के साथ मिला दें। इसके बाद एक कटोरे में दोनों के साथ बारीक कटी हरी मिर्च, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। अंत में इस पर थोड़ा–सा भुना हुआ सफेद तिल डालकर परोसें। इसे आप चावल के व्यंजनों के साथ खा सकते हैं।

पत्तागोभी और सेब का सलाद

अगर आप अलग स्वाद वाला सलाद खाना चाहते हैं तो पत्तागोभी और सेब का सलाद बनाएं। सबसे पहले पत्तागोभी को धो कर कद्दूकस कर लें। अब सेब को धोकर उसके छोटे–छोटे टुकड़े काट लें। इसके बाद एक कटोरे में पत्तागोभी और सेब के साथ बारीक कटी हरी मिर्च, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। अंत में इस सलाद पर थोड़ा–सा सिरका छिड़ककर खाएं। यह सलाद आपके खाने में एक नया स्वाद जोड़ सकता है।

टमाटर और ककड़ी का सलाद

टमाटर और ककड़ी, दोनों ही में पानी की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसे में यह सलाद गर्मी के मौसम के लिए सबसे बढ़िया रहेगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले टमाटर और ककड़ी को धो कर छीलें। इसके बाद इन्हें छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक कटोरे में टमाटर और ककड़ी के साथ बारीक कटी हरी मिर्च, नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला मिलाएं। इस पर काली मिर्च और अन्य सीजनिंग भी छिड़की जा सकती हैं।

पालक और पनीर का सलाद

इसे बनाने के लिए सबसे पहले पालक को धो कर बारीक काट लें। अगर आप चाहें तो पालक को उबाल भी सकते हैं। इसके बाद पालक के साथ पनीर के छोटे–छोटे टुकड़े काटकर मिलाएं। अब इस पर थोड़ा नींबू का रस, काला नमक और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं। अंत में इस पर थोड़ा–सा जैतून का तेल छिड़क दें, ताकि स्वाद बढ़ जाए। इसमें आप अन्य सब्जियां भी शामिल कर सकते हैं।